INFUSION NOTES

WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAS

(Rajasthan Administrative Service)

प्रारंभिक परीक्षा हेतु

RAJASTHAN PUBLIC SERVICE COMMISSION

भाग – 4

भारत का भूगोल + अर्थव्यवस्था + विश्व भूगोल

प्रस्तावना

*प्रिय पाठकों, प्रस्तुत नोट्स "**RAS (Rajasthan Administrative Service) प्रारंभिक परीक्षा हेतु** " को एक विभिन्न अपने अपने विषयों में निपुण अध्यापकों एवं सहकर्मियों की टीम के द्वारा तैयार किया गया है / ये नोट्स पाठकों को **राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC)** द्वारा आयोजित करायी जाने वाली परीक्षा "**Rajasthan State and Subordinate Services Combined Competitive Exams**" भर्ती परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगें /*

अंततः सतर्क प्रयासों के बावजूद नोट्स में कुछ कमियों तथा त्रुटियों के रहने की संभावना हो सकती है / अतः आप सूचि पाठकों का सुझाव सादर आमंत्रित हैं/

प्रकाशकः

INFUSION NOTES

जयपुर, 302029 (RAJASTHAN)

मो : 9887809083

ईमेल : contact@infusionnotes.com

वेबसाइट : http://www.infusionnotes.com

Order Link - **https://bit.ly/ras-pre-notes**

WhatsApp Link- **https://wa.link/bc7sin**

मूल्य : ₹

संस्करण : नवीनतम

<u>भारत का भूगोल</u>

1. सामान्य परिचय	1
2. भारत की स्थिति व विस्तार	3
3. प्रमुख स्थलाकृतियाँ	9
• पर्वत, पठार एवं मैदान	
4. मानसून तंत्र व वर्षा का वितरण	30
5. प्रमुख नदियाँ एवं झीलें	43
6. भारत के वन एवं वन्य जीव, वनस्पति	56
7. प्रमुख फसलें	62
• गेहूँ, चावल, कपास, गन्ना, चाय एवं कॉफी	
8. प्रमुख खनिज	71
• लौह अयस्क, मैंगनीज, बॉक्साइट एवं अभ्रक,	
9. ऊर्जा संसाधन	75
• परम्परागत एवं गैर-परम्परागत	
10. प्रमुख औद्योगिक प्रदेश	82
11. राष्ट्रीय राजमार्ग एवं प्रमुख परिवहन गलियारे	96

<u>आर्थिक अवधारणाएं एवं भारतीय अर्थव्यवस्था</u>

1. अर्थशास्त्र की मूलभूत अवधारणायें 106

2. बजट एवं बजट निर्माण 111

- बजट 2022-23

3. बैंकिंग 120

4. लोक वित्त 141

5. वस्तु एवं सेवा कर 146

6. राष्ट्रीय आय 150

7. संवृद्धि एवं विकास का आधारभूत ज्ञान 157

8. लेखांकन - अवधारणा, उपकरण एवं प्रशासन में उपयोग 159

9. स्टॉक एक्सचेंज एवं शेयर बाजार 168

10. राजकोषीय एवं मौद्रिक नीतियाँ 173

11. सब्सिडी एवं लोक वितरण प्रणाली 176

12. ई-कॉमर्स 184

13. मुद्रास्फीति - अवधारणा, प्रभाव एवं नियंत्रण तंत्र 189

14.भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्र 195

15.आर्थिक समस्याएं एवं सरकार की पहलें 199

16.मानव संसाधन एवं आर्थिक विकास 206

- वैश्विक खुशहाली सूचकांक

17. गरीबी एवं बेरोजगारी 210

18. केंद्र सरकार की योजनाएँ 218

- आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए प्रावधान

विश्व का भूगोल

1. प्रमुख स्थालाकृतियाँ 222

- पर्वत
- पठार
- मैदान
- मरुस्थल

2. प्रमुख नदियाँ एवं झीलें 230

3. कृषि एवं इसके प्रकार 235

4. प्रमुख औद्योगिक प्रदेश 241

5. पर्यावरणीय मुद्दे 246

- राजस्थान में मरुस्थलीकरण
- वनोन्मूलन
- ठोस अपशिष्ट
- ग्रीनहाउस प्रभाव
- जलवायु परिवर्तन
- ओजोन परत अवक्षय

भारत का भूगोल

अध्याय – 1

सामान्य परिचय

- **अर्थ एवं परिभाषा :-** "ज्योग्राफी" (Geography) अंग्रेजी भाषा का शब्द है , जो ग्रीक (यूनानी) भाषा में **'ज्योग्राफिया '** (Geographia) शब्दावली से प्रेरित है । इसका शाब्दिक अर्थ ''पृथ्वी का वर्णन करना है।''
- ज्योग्राफिया शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग यूनानी विद्वान **'इरैटॉस्थनीज'** (Eratosthenes 276-194 ई . पू .) ने किया था , इसके पश्चात विश्व स्तर पर इस पृथ्वी के विज्ञान विषय को ज्योग्राफी (भूगोल) नाम से जाना जाने लगा।
- यूनानी एवं रोमन अधिकांश विज्ञानों ने पृथ्वी को ' चपटा ' या ' तस्तरीनुमा ' माना, जबकि भारतीय साहित्य में पृथ्वी एवं अन्य आकाशीय पिण्डों को हमेशा ' गोलाकार ' मान कर वर्णन किया । इसलिए इस विज्ञान को ' भूगोल ' के नाम से जाना जाता है ।
- भूगोल 'पृथ्वी तल' या भू तल (Earthsurface) का विज्ञान है । इसमें स्थान (Space) व उसके विविध लक्षणों (Variable Characters) , वितरणों (Distributions) तथा स्थानिक सम्बंधों (Spatial Relations) का मानवीय संसार (World of man) के रूप में अध्ययन किया जाता है ।
- ''पृथ्वी तल'' भूगोल की आधारशिला है , जिस पर सभी भौतिक मानवीय घटनाएँ एवं अन्तः क्रियाएँ सम्पन्न होती रही हैं । ये सभी क्रियाएँ ' समय ' एवं ' स्थान ' के परिवर्तनशील सम्बन्ध में घटित हो रही है।
- पृथ्वी तल का भौगोलिक शब्दार्थ बहुत व्यापक है , जिसमें स्थल मण्डल , जल मण्डल , वायुमण्डल , जैव मण्डल , पृथ्वी पर सूर्य तथा चन्द्रमा का प्रभाव एवं पृथ्वी की गतियों का वैज्ञानिक आंकलन किया जाता है ।

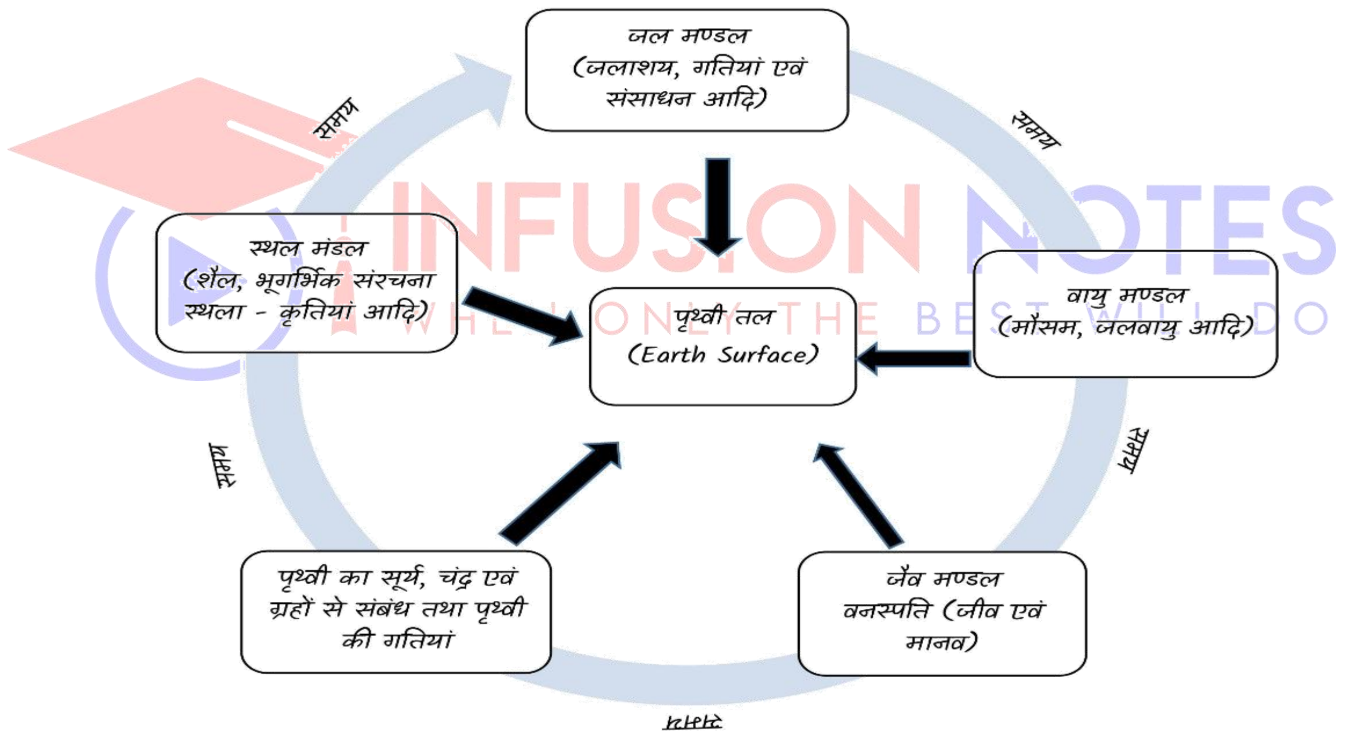

भूगोल में भौतिक एवं मानवीय पहलूओं और उनमें पारस्परिक सम्बंधों का अध्ययन किया जाता है । इसलिए प्रारम्भ से ही भूगोल विषय की दो प्रमुख शाखाएँ उभर कर आयी (i) भौतिक भूगोल (ii) मानव भूगोल

- कालान्तर में विशिष्टीकरण (वर्ष 1950 के पश्चात) बढ़ने से इन दो शाखाओं की अनेक उप शाखाएँ विकसित होती गयी , जिससे विषय सामग्री एवं विषय क्षेत्र में समृद्धि आती गई ।
- भूगोल की प्रमुख शाखाएँ एवं उप शाखाएँ निम्नलिखित हैं. –

भौतिक भूगोल	मानव भूगोल
1. भू गणित (Geodesy)	1.आर्थिक भूगोल (Economic Geography)
2.भू भौतिकी (Geophysics)	2. कृषि भूगोल (Agricultural Geography)
3.खगोलीय भूगोल (Astronomical Geog)	3. संसाधन भूगोल (Resource Geography)
4.भू आकृति विज्ञान (Geomorphology)	4. औद्योगिक भूगोल (Industrial Geography)
5. जलवायु विज्ञान (Climatology)	5. परिवहन भूगोल (Transport Geography)
6.समुद्र विज्ञान (Oceanography)	6. जनसंख्या भूगोल (Population Geography)
7.जल विज्ञान (Hydrology)	7. अधिवास भूगोल (Settlement Geography) (i) नगरीय भूगोल (Urban Geography) (ii) ग्रामीण भूगोल (Rural Geography)
8.हिमनद विज्ञान (Glaciology)	8. राजनीतिक भूगोल (Political Geography)
9.मृदा विज्ञान (Soil Geography)	9. सैन्य भूगोल (Military Geography)
10. जैव विज्ञान (Bio - Geography)	10. ऐतिहासिक भूगोल (Historical Geography)
11. चिकित्सा भूगोल (MedicalGeography)	11. सामाजिक भूगोल (Social Geography)
12. पारिस्थितिकी /पर्यावरण भूगोल (Ecology / Environment Geography)	12.सांस्कृतिक भूगोल (Cultural Geography)
13. मानचित्र कला (Cartography)	13. प्रादेशिक नियोजन(Regional Planning)
	14. दूरस्थ संवेदन व जी.आई.एस.(Remote Sensing and G.I.S.)

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अभ्यासार्थ प्रश्न

1. भूगोल की जिस शाखा में तापमान, वायुदाब, पवनों की दिशा एवम् गति,आर्द्रता, वायुराशियाँ, विक्षोभ आदि के विषय में अध्ययन किया जाता है , वह है-

(अ) खगोलीय भूगोल (ब) मृदा भूगोल

(स) समुद्र विज्ञान (द) जलवायु विज्ञान

उत्तर :- (द)

2. भूगोल की दो प्रमुख शाखाएँ हैं

(अ) कृषि भूगोल एवं आर्थिक भूगोल

(ब) भौतिक भूगोल एवं मानव भूगोल

(स) पादप भूगोल एवं जीव भूगोल

(द) मौसम भूगोल एवं जलवायु भूगोल

उत्तर :- (ब)

3. किस भूगोलवेत्ता ने भूगोल (Geography) शब्दावली का सर्वप्रथम उपयोग किया ?

(अ) इरेटॉस्थेनीज (ब) हेरेडोइस

(स) स्ट्रैबो (द) टॉलमी

उत्तरः- (अ)

4. पृथ्वी की आयु मानी जाती है

(अ) 4.8 अरब वर्ष (ब) 5.0 अरब वर्ष

(स) 4.6 अरब वर्ष (द) 3.9 अरब वर्ष

उत्तर :- (स)

अध्याय – 2

भारत की स्थिति व विस्तार

- आर्यों की भरत नाम की शाखा अथवा महामानव भारत के नाम पर हमारे देश का नामकरण भारत हुआ ।
- प्राचीन काल में आर्यों की भूमि के कारण यह आर्यावर्त के नाम से जाना जाता था ।
- ईरानियों ने सिन्धु नदी के तटीय निवासियों को हिन्दू एवं इस भू - भाग को हिन्दूस्तान का नाम दिया ।
- रोम निवासियों ने सिन्धु नदी को इण्डस तथा यूनानियों ने इण्डोस व इस देश को इण्डिया कहा । यही देश विश्व में आज भारत के नाम से विख्यात है ।

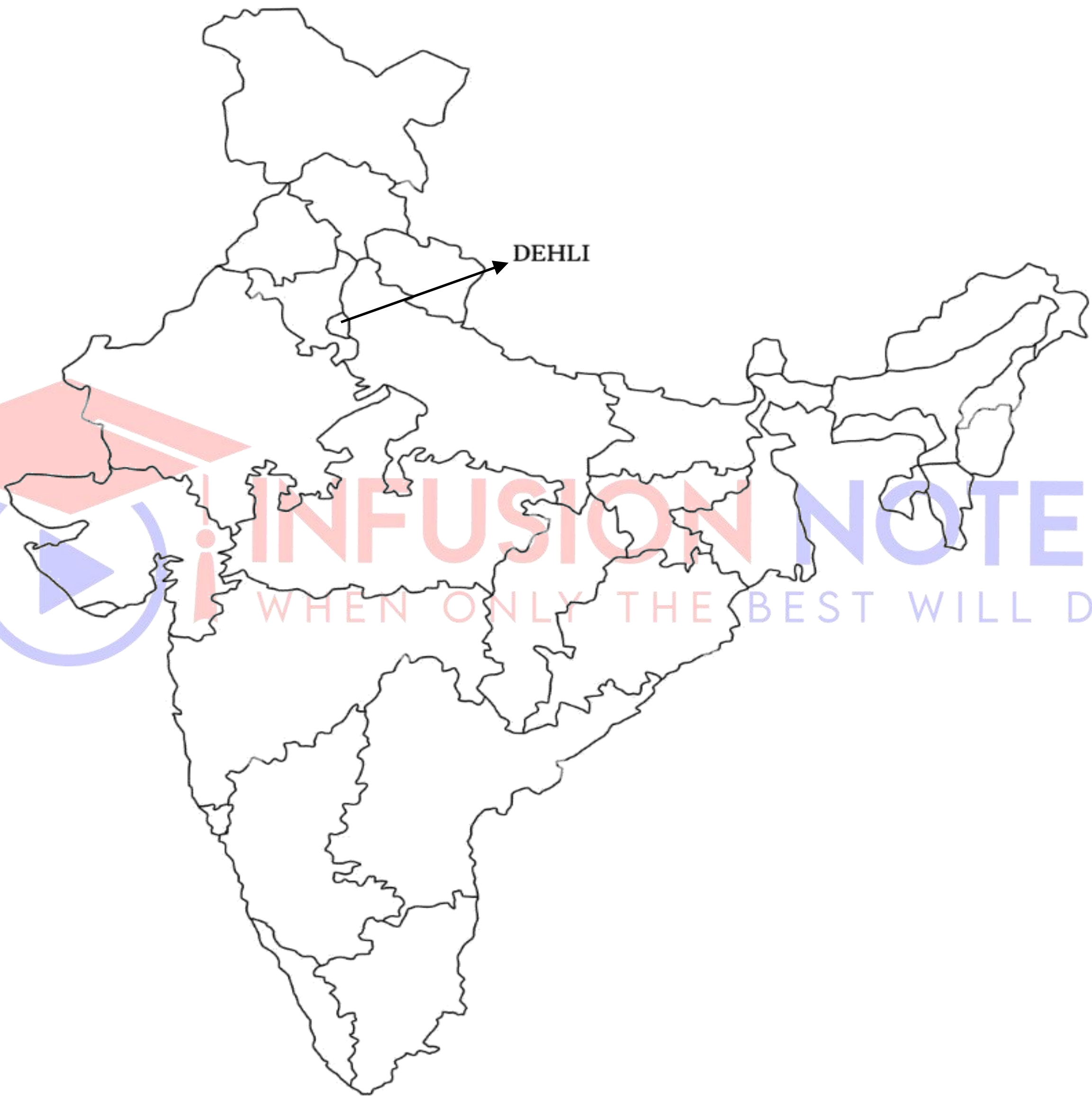

भारत एशिया महाद्वीप का एक देश है, जो एशिया के दक्षिणी भाग में स्थित है तथा तीन ओर समुद्रों से घिरा हुआ है। पूरा भारत उत्तरी गोलार्द्ध में पड़ता है।

- भारत का अक्षांशीय विस्तार 8°4' उत्तरी अक्षांश से 37°6' उत्तरी अक्षांश तक है।
- भारत का देशान्तर विस्तार 68°7' पूर्वी देशान्तर से 97°25' पूर्वी देशान्तर तक है।
- भारत का क्षेत्रफल 32,87,263 वर्ग किमी. (1269219.34 वर्ग मील) है।
- कर्क रेखा अर्थात् 23½ उत्तरी अक्षांश हमारे देश के लगभग मध्य से गुजरती है यह रेखा भारत को दो भागों में विभक्त करती है (1) उत्तरी भारत , जो शीतोष्ण कटिबन्ध में फैला है तथा (2) दक्षिणी भारत , जिसका विस्तार उष्ण कटिबन्ध है।

कर्क रेखा भारत के आठ राज्यों क्रमशः गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, प. बंगाल, त्रिपुरा व मिजोरम है।

NOTE- राजस्थान की राजधानी जयपुर, त्रिपुरा की राजधानी अगरतल्ला व मिजोरम की राजधानी आइजोल कर्क रेखा के उत्तर में तथा शेष राज्यों की राजधानियाँ दक्षिण में स्थित है।

NOTE – मणिपुर कर्क रेखा के सर्वाधिक उत्तर में स्थित है ।

प्रश्नः- निम्न में से कौन सा भारत का राज्य कर्क रेखा के उत्तर में स्थित है ? (RAS PRE. 2015)

(A) त्रिपुरा **(B) मणिपुर**

(C) मिजोरम **(D) झारखण्ड**

उत्तर :- (B)

NOTE- कर्क रेखा राजस्थान से न्यूनतम व मध्यप्रदेश से सर्वाधिक गुजरती है।

- भारत सम्पूर्ण विश्व का लगभग 1/46 वाँ भाग है।
- क्षेत्रफल के अनुसार रूस , कनाडा , चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्राज़ील व ऑस्ट्रेलिया के बाद भारत का विश्व में 7वाँ स्थान है ।
- यह रूस के क्षेत्रफल का लगभग 1/5, संयुक्त राज्य अमेरिका के क्षेत्रफल का 1/3 तथा ऑस्ट्रेलिया के क्षेत्रफल का 2/5 है।
- भारत का आकार जापान से नौं गुना तथा इंग्लैण्ड से 14 गुना बड़ा है ।
- जनसंख्या की दृष्टि से संसार में भारत का चीन के बाद दूसरा स्थान है।
- विश्व का 2.4% भूमि भारत के पास है जबकि विश्व की लगभग 17.5% (वर्ष 2011 के अनुसार) जनसंख्या भारत में रहती है।
- भारत के उत्तर में नेपाल, भूटान व चीन, दक्षिण में श्रीलंका एवं हिन्द महासागर, पूर्व में बांग्लादेश, म्यांमार एवं बंगाल की खाड़ी तथा पश्चिम में पाकिस्तान एवं अरब सागर है।
- भारत को श्रीलंका से अलग करने वाला समुद्री क्षेत्र मन्नार की खाड़ी (Gulf of Mannar) तथा पाक जलडमरूमध्य (Palk Strait) है।
- प्रायद्वीप भारत (मुख्य भूमि) का दक्षिणतम बिन्दु - कन्याकुमारी के पास केप कोमोरिन (तमिलनाडु) है।
- भारत का सुदूर दक्षिणतम बिन्दु - इन्दिरा प्वाइंट (ग्रेट निकोबार में है)।
- भारत का उत्तरी अन्तिम बिन्दु- इंदिरा कॉल (लद्दाख) है ।
- भारत का मानक समय (Indian Standard Time) इलाहाबाद के पास नैनी से लिया गया है। जिसका देशान्तर 82°30 पूर्वी देशान्तर है। (वर्तमान में मिर्जापुर) यह ग्रीनविच माध्य समय (GMT) से 5 घण्टे 30 मिनट आगे है। यह मानक समय रेखा भारत के 5 राज्यों क्रमशः उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा व आंध्रप्रदेश है।
- कर्क रेखा व मानक रेखा छत्तीसगढ़ राज्य में एक दुसरे को काटती है।
- भारत की लम्बाई उत्तर से दक्षिण तक 3214 किमी. तथा पूर्व से पश्चिमी तक 2933 किमी. है।
- भारत की समुद्री सीमा मुख्य भूमि, लक्षद्वीप और अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की तटरेखा की कुल लम्बाई 7,516.6 कि.मी है जबकि स्थलीय सीमा की लम्बाई 15,200 किमी. है। भारत की मुख्य भूमि की तटरेखा 6,100 किमी. है।

- भारत की तटीय / समुद्री सीमा = तट रेखा की लम्बाई 7516.6 मुख्य भूमि की तटरेखा 6,100 किमी. है।
- कुल राज्य = 9 [i. पश्चिमी तट के राज्य- गुजरात (राज्यों में सबसे लंबी तट रेखा), महाराष्ट्र, गोवा (राज्यों में सबसे छोटी तट रेखा), कर्नाटक व केरल ii. पूर्वी तट के राज्य प. बंगाल, ओडिशा, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु]
- कुल केंद्र शासित प्रदेश= अंडमान निकोबार (सर्वाधिक), लक्षद्वीप, दमन व दीव तथा (न्यूनतम) पुद्दुचेरी

- भारत के 16 राज्य व 2 केंद्र शासित प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा बनाते है ।

देश की चतुर्दिक सीमा बिन्दु
दक्षिणतम बिन्दु - इन्दिरा प्वाइंट (ग्रेट निकोबार द्वीप) उत्तरी बिन्दु- इन्दिरा कॉल (लद्दाख) पश्चिमी बिन्दु- गोहर माता (गुजरात) पूर्वी बिन्दु- किबिथु (अरुणाचल प्रदेश) मुख्य भूमि की दक्षिणी सीमा- कन्याकुमारी के पास केप कोमोरिन (तमिलनाडु)

स्थलीय सीमाओं पर स्थित भारतीय राज्य	
पाकिस्तान (4)	गुजरात, राजस्थान, पंजाब, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख
अफगानिस्तान (1)	लद्दाख
चीन (5)	लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश
नेपाल (5)	उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम
भूटान (4)	सिक्किम, पश्चिम बंगाल, असम, अरुणाचल प्रदेश

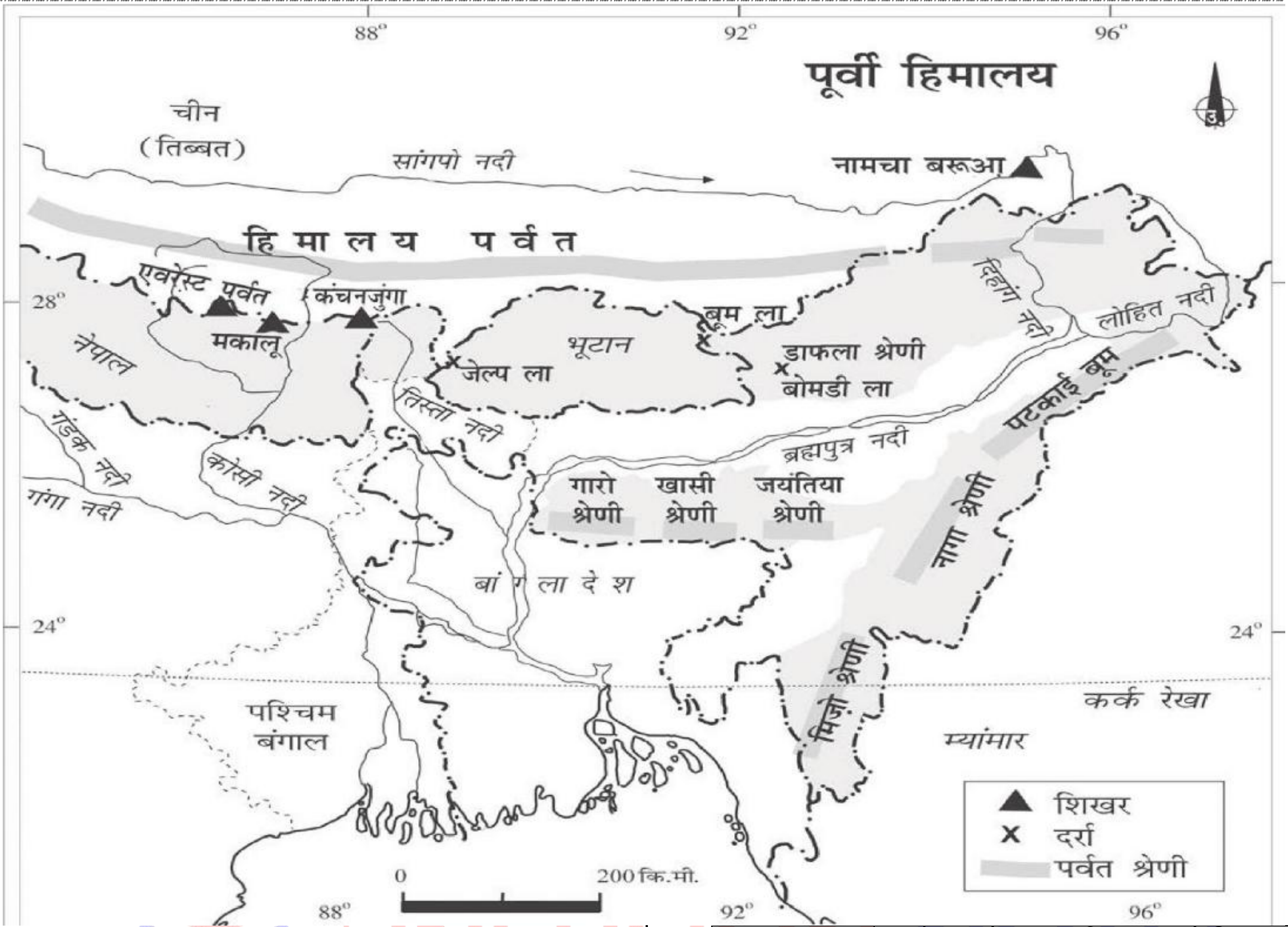

- पूर्वांचल की पहाड़ियाँ काफी कटी - फटी हैं।
- पूर्वांचल की पहाड़ियाँ भारतीय मानसून को दिशा प्रदान करती हैं।
- इस तरह यह पहाड़ियाँ जल विभाजक के साथ - साथ जलवायु विभाजक हैं।

अरुणाचल प्रदेश	डाफला, मिरी, अबोर व मिश्मी (शिवालिक हिमालय) पटकाई बूम (महान हिमालय)
नागालैण्ड	नागा पहाड़ी की सर्वोच्च चोटी माउंट सरमाटी (3826 मीटर) है। इस पर नागालैण्ड की राजधानी कोहिमा (भारत के किसी राज्य की सबसे पूर्वोतर राजधानी) स्थित है।
मणिपुर	मणिपुर की पहाड़ी या लैमाटोल पहाड़ी इस पर लोकटक झील स्थित है। इस झील में भारत का एकमात्र तैरता हुआ राष्ट्रीय उद्यान कैबुल लामजाओ स्थित है।
मिजोरम	मिजो पहाड़ी की सर्वोच्च चोटी ब्लू माउंटेन है।
मेघालय	गारों, खांसी व जयंतिया पहाड़ियाँ (प्रायद्वीपीय पठारी भाग का हिस्सा) गारो खासी एवं जयंतिया पहाड़ी शिलांग के पठार पर अवस्थित हैं।
असम	मिकिर, रेंगमा व बरेल पहाडिया NOTE- बरेल पहाड़ी प्रायद्वीपीय भारत को महान हिमालय से अलग करती है।

<u>हिमालय का प्रादेशिक विभाजन</u>

सिडनी बुर्राड ने हिमालय का प्रादेशिक विभाजन (नदियों के आधार पर) किया तथा हिमालय को 4 प्रादेशिक भागों में बाँटा ।

क्र. सं.	**हिमालय**	**लम्बाई (किमी.)**	**नदियाँ**	**विस्तार**
1.	पंजाब हिमालय	560	सिन्धु - सतलुज	जम्मू-कश्मीर, लद्दाख व हिमाचल प्रदेश
2.	कुमायूँ हिमालय	320	सतलुज-काली	उत्तराखंड
3.	नेपाल हिमालय	800	काली-तिस्ता	नेपाल, सिक्किम व प. बंगाल

5.	असम हिमालय	750	तिस्ता-ब्रह्मपुत्र	सिक्किम, प. बंगाल, असम, अरुणाचल प्रदेश, भूटान व चीन

हिमालय के प्रमुख दर्रे

I.पश्चिमी हिमालय के दर्रे : -

काराकोरमः -

यह काराकोरम श्रेणी मे अवस्थित है, जो उत्तर में स्थित है इसकी ऊँचाई 5000 मी. है और भारत के लद्दाख को चीन के शिंजियांग प्रान्त से मिलाता है ।

जम्मू - कश्मीर के दर्रे-

बनिहाल दर्रा-

यह जम्मू से श्रीनगर जाने का नवीन मार्ग प्रदान करता है । इस दर्रे में भारत की सबसे लम्बी सुरंग चेनारी नासिरी सुरंग (9.2 किमी. वर्तमान में नया नाम श्यामा प्रसाद मुखर्जी) व जवाहर सुरंग (2531मी.) स्थित है ।

पीरपंजाल दर्रा-

जम्मू से श्रीनगर

जोजिला दर्रा-

श्रीनगर से कारगिल

लद्दाख के दर्रे-

फातुला दर्रा-

कारगिल से लेह

खारदुन्गला दर्रा-

लेह से नुब्रा घाटी यह विश्व का सबसे ऊंचा मोटर वाहन चलाने योग्य दर्रा था (18380 वीट) लेकिन वर्तमान में विश्व का सबसे ऊँचा मोटरसाहन चलाने योग्य दर्रा उमलिंगा दर्रा (19300 फीट) है

चांगला *: - यह लद्दाख को तिब्बत से मिलाता है, यह शीत ऋतु में हिमपाद के लिए बंद रहता है ।*

लानक ला : - *लद्दाख के चीन अधिकृत अक्साई चीन में स्थित है और तिब्बत की राजधानी तथा लद्दाख के बीच सम्पर्क बनाता है ।*

हिमाचल प्रदेश के दर्रे-

बरालाचा ला :- *यह मंडी और लेह को आपस में जोड़ता हैं इसी से मनाली – लेह सड़क गुज़रता हैं। यह शीत ऋतु बंद रहता हैं*

रोहतांग :- *यह हिमाचल के लौह और स्पीति के बीच में संपर्क बनाता है इसी से मनाली – लेह सड़क गुज़रता हैं । इस पर अटल सुरंग (9.02) स्थित है ।*

शिपकी ला : - *हिमाचल प्रदेश को चीन से मिलाता हैं*

देबचा दर्रा- *मनाली से शिमला*

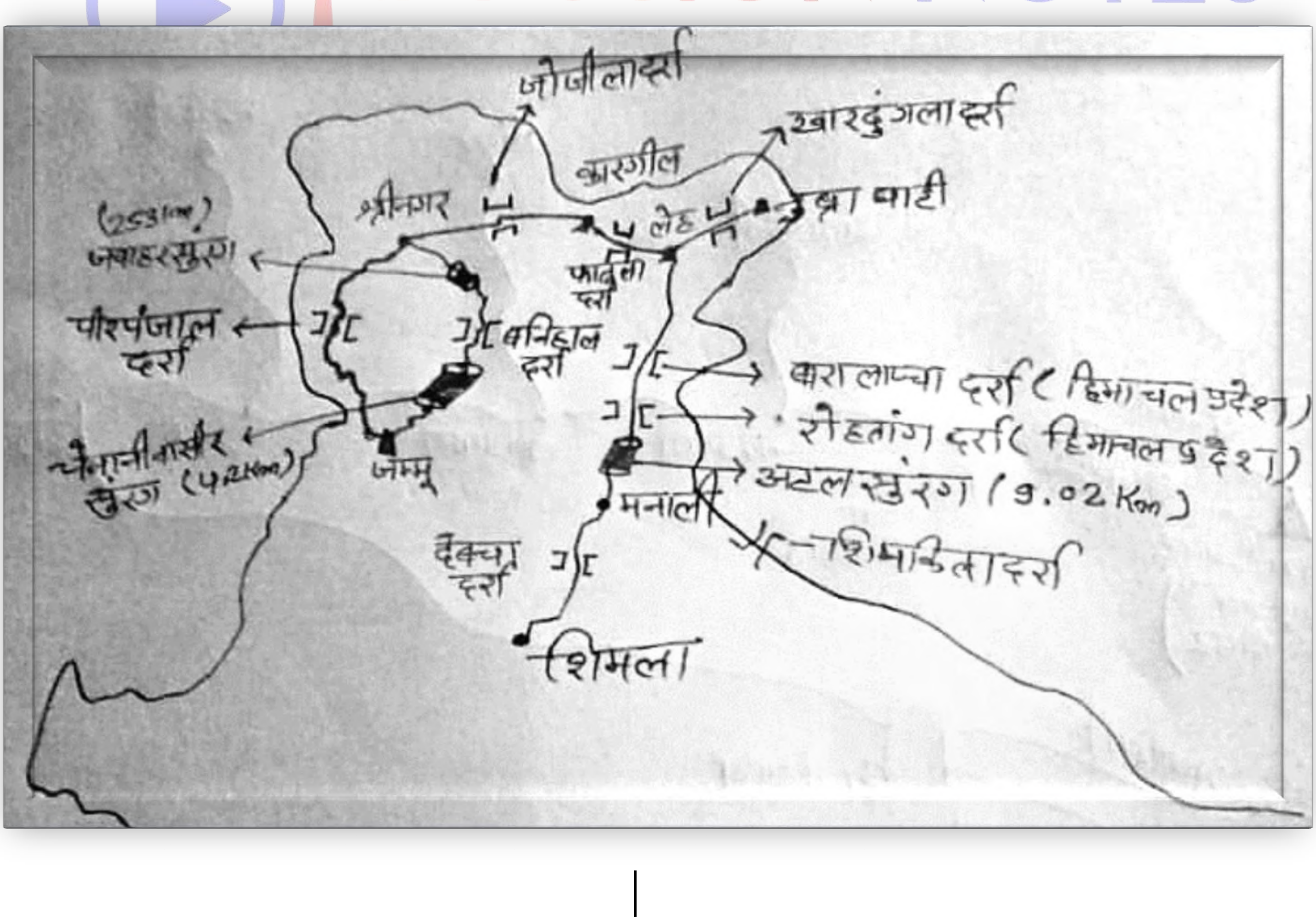

पश्चिमी घाट : -

- कुल लंबाई – 1600 किमी.
- औसत ऊँचाई – 1200मी.
- यह भारत की सबसे लंबी पर्वतमाला है ।
- विशेषता

(i) पश्चिमी घाट का उत्तरी भाग कम चौड़ाई में है जबकि दक्षिणी भाग अधिक चौड़ाई में है ।

(ii) पश्चिमी घाट के पश्चिमी भाग में अधिक वर्षा होने के कारण यहाँ सर्वाधिक जैव विविधता मिलती है जबकि पश्चिमी घाट का पूर्वी भाग वृष्टि छाया प्रदेश में आता है । (iii) इसके पश्चिमी भाग का ढाल तीव्र है जबकि पूर्वी भाग का ढाल मन्द है ।

(iv) इसको सहयाद्रि भी कहते हैं । तथा इसे तीन भागों में विभाजित करते हैं

प्रश्नः- भारत में निम्नलिखित में से कौन सा क्षेत्र जैव विविधता तप्त स्थल है ?

(1) सुंदरबन **(2) पश्चिमी घाट**

(3) पूर्वी घाट **(4) गंगा के मैदान**

उत्तर :- (2)

(A) उत्तरी सहयाद्रि : - विस्तार - ताप्ती नदी से 16° उत्तरी अक्षांश तक ।

प्रमुख चोटियाँ कलसुबाई - 1646मी., सलहर -1567मी., महाबलेश्वर -1438मी. यह सभी महाराष्ट्र में स्थित हैं ।

(B) मध्य सहयाद्रि : - विस्तार - 16 ° 3' अक्षांश से नीलगिरी तक राज्य- गोवा , कर्नाटक

प्रमुख चोटियाँ कुद्रेमुख 1892 मी. पुष्पागिरि- 1714मी. यह सभी कर्नाटक में स्थित हैं ।

(C) दक्षिणी सहयाद्रि : -

विस्तार - नीलगिरी - कन्याकुमारी

राज्य - केरल , तमिलनाडु

अनाईमुडी - केरल (2695मी.) यह प्रायद्वीपीय पठार की सबसे ऊँची चोटि है ।

पश्चिमी घाट के दर्रे :-

भोर घाट : - यह महाराष्ट्र में स्थित हैं जो पुणे को कोलकाता से जोड़ता है ।

पाल घाट :- यह केरल राज्य में स्थित हैं यह दर्रा कोच्चि को कोयम्बटूर से जोड़ता है ।

थाल घाट : - यह महाराष्ट्र राज्य में स्थित हैं यह मुंबई को नासिक से जोड़ता है ।

सेनकोटटा :- यह केरल राज्य में स्थित हैं यह दर्रा तिरुवनंतपुरम को मदुरै से जोड़ता है ।

पूर्वी घाट : -

कुल लंबाई – 1300किमी.

औसत ऊँचाई- 900-1200 मी.

विस्तार- महानदी से नीलगिरी तक

यह महानदी से गोदावरी तक सतत् / कृमिक है तथा गोदावरी के बाद यह खण्डित हो जाता है जिसका कारण है नदियों द्वारा डेल्टा का निर्माण ।

पूर्वी घाट की सबसे ऊँची चोटी - जिंदागुडा (1690मी.) अरामाकौंड़ा (1680मी.) महेन्द्रगिरी (1501मी.)

- **गली कोंडा**

  गली कोंडा रेंज पूर्वी घाट के उत्तरी भाग में स्थित है।

  गली कोंडा पर्वत श्रृंखला चोटी की ऊंचाई 1640 मीटर है।

- **सिंकराम गुट्टा**

  सिंकराम गुट्टा पर्वत श्रृंखला पूर्वी घाट के उत्तरी भाग में स्थित है।

  सिंकराम गुट्टा की चोटी की ऊंचाई 1620 मीटर है।

- **मदुगुला कोंडा**

  मदुगुला कोंडा पर्वत श्रृंखला पूर्वी घाट के उत्तरी भाग में स्थित है।

  मदुगुला कोंडा पर्वत श्रृंखला 1100–1400 मीटर की ऊँचाई के बीच है।

प्रश्न : - निम्नलिखित में से कौन सी पर्वतीय चोटी पूर्वी घाट में अवस्थित नहीं है ? (RAS PRE-2021)

(1) गली कोंडा **(2) सलहेर**

(3) सिंकराम गट्टा **(4) मादुगुला कोंडा**

उत्तर :- (2)

नीलगिरी की पहाड़ियाँ- पश्चिमी घाट + पूर्वी घाट का मिलन स्थल

विस्तार केरल , कर्नाटक , तमिलनाडु

डोडा - बेट्टा - 2,637 मीटर (8,652 फीट) की ऊंचाई पर **नीलगिरि पर्वत** का सबसे ऊंचा पर्वत **डोडा - बेट्टा** है।

प्रश्नः- डोडा - बेट्टा चोटी स्थित है – (RAS PRE. 2021)

(1) सतपुड़ा श्रेणी में

(2) विंध्याचल श्रेणी में

(3) अन्नामलाई पहाड़ियों में

(4) नीलगिरी पहाड़ियों में

उत्तर :- 4

2. ग्रीष्म ऋतु

मार्च से मई के महीने के बीच पायी जाने वाली ग्रीष्म ऋतु के दौरान सूर्य के उत्तरी गोलार्द्ध की ओर बढने से तापमान के बढने पर उत्तरी भारत में ग्रीष्म ऋतु प्रखर तथा दक्षिणी भारत में मृदु होती है।

इस ऋतु में उच्चतापमान, निम्न दाब, दक्षिण पश्चिम पवनें तथा मानसून पूर्व वर्षा प्राप्त होती है।

(i) तापमान

ग्रीष्म ऋतु के दौरान भारत में लगभग 30 डिग्री सेल्सियस तापमान पाया जाता है। दक्षिण भारत मे समकारी प्रभाव के कारण अपेक्षाकृत कम तापमान पाया जाता है। उत्तरी भारत मे महाद्वीपीय प्रभाव से अधिक तापमान पाया जाता है।

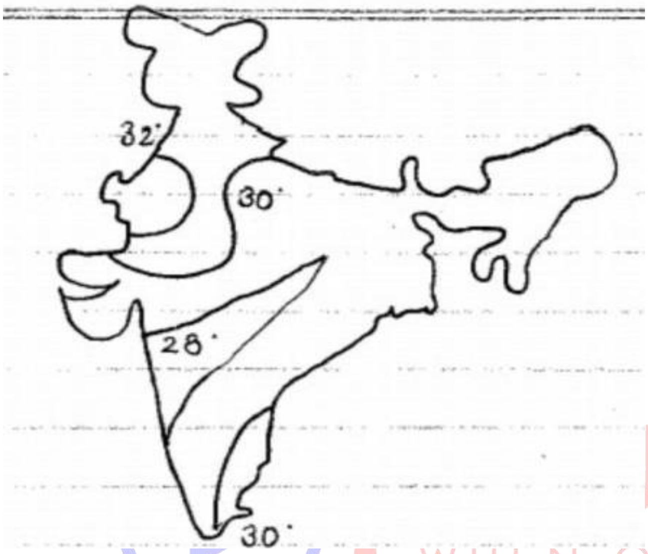

(ii) दाब

इस ऋतु के दौरान भारत पर निम्न दाब परिस्थितियाँ (997-1009 एम. बी.) पायी जाती है। सबसे प्रबल निम्न दाब (997) उत्तरी पश्चिमी भारत में पाया जाता है।

(iii) पवन

इस ऋतु मे पवनें दक्षिण पूर्व से उत्तर पूर्व की ओर चलती है। इस ऋतु में लू नामक स्थानीय पवनें चलती है

लू- ग्रीष्म ऋतु में चलने वाली गर्म व शुष्क स्थानीय पवन लू कहलाती है। जो राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश व बिहार में चलती है। यह धूल भरी आंधियां भी लेकर आती है। ग्रीष्म ऋतु में स्थानीय संवहन के कारण थोडी बहुत बूंदा बांदी होती है।

(iv) वर्षा

ग्रीष्म ऋतु में सामान्यतः वर्षा प्राप्त नहीं होती परन्तु कुछ क्षेत्रों में मानसून पूर्व वर्षा प्राप्त होती है।

जैसे-

पश्चिमी तटवर्ती क्षेत्र पर होने वाली आम्र वर्षा एवं चेरी ब्लासम (फूलों की वर्षा) कहवा के फूल खिलाती है तथा असम तथा पश्चिम बंगाल में वैशाख के महीने में शाम को चलने वाली विनाशकारी आर्द्रतायुक्त पवनों द्वारा उत्पन्न होने वाले वज्र तूफान को काल बैसाखी कहते है। यह अत्यंत विनाशकारी होता है अतः इसे वैशाख का काल (आपदा) कहां जाता है ।

इस तूफ़ान से होने वाली वर्षा चाय, चावल तथा पटसन की खेती के लिए लाभकारी होती है।

काल वैसाखी को असम में बारदोली छिड़ा कहा जाता है।

राजस्थान में मानसून पूर्व वर्षा को दोगड़ा कहते है।

3. दक्षिण पश्चिम मानसून ऋतु

यह ऋतु जून से अगस्त के बीच पायी जाती है। इस ऋतु के दौरान अंत उष्णकटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र (I.T.C.Z.) भारत पर आकर स्थापित हो जाता है अतः दक्षिणी गोलार्द्ध की व्यापारिक पवनें भारत की ओर बढती है तथा यह पवनें विषुवत रेखा पार करने के बाद दक्षिण पूर्वी दिशा (कोरियोलिस बल के कारण) से भारत की ओर बढती है।

इस ऋतु में वर्षा प्राप्त होती है।

(i) तापमान

इस ऋतु के दौरान वर्षा के कारण 5-8 डिग्री सेल्सियस तापमान कम हो जाता है।

औसत तापमान 25 डिग्री सेल्सियस होता है।

(ii) दाब

इस ऋतु के दौरान प्रबल निम्न दाब की स्थिति (997-1009 एम. बी.) भारत पर पायी जाती है। I.T.C.Z. के रूप में एक निम्न दाब की द्रोणी भारत पर स्थापित होती है। सबसे प्रबल निम्न दाब उत्तर पश्चिम भारत में होता है।

(iii) पवन

इस ऋतु में दक्षिण पश्चिमी मानसून पवनें चलती है। जो मुख्य भू भाग पर पहुंचने के बाद अपनी दिशा में उच्चावच एवं दाब परिस्थितियों के कारण परिवर्तन करती है। (iv) वर्षा

इस ऋतु में दक्षिण पश्चिम मानसून पवनों द्वारा वर्षा प्राप्त होती है। इस ऋतु में अचानक से बिजली के कडकने तथा भीषण गर्जन के साथ वर्षा प्राप्त होती है जिसे मानसून का प्रस्फोट/विस्फोट कहते है।

यह वर्षा मानसून पवनों की 2 शाखाओं से प्राप्त होती है।

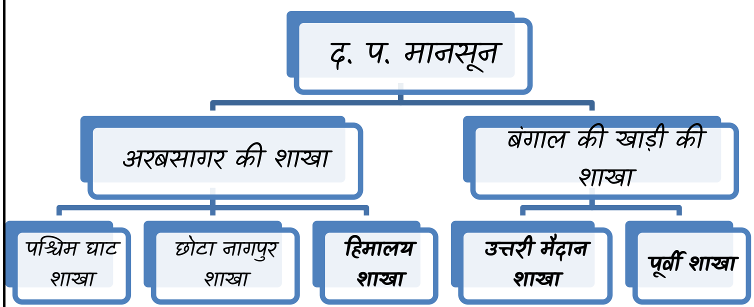

उष्ण कटिबंधीय सवाना जलवायु प्रदेश	AW	यह जलवायु कोरोमण्डल एवं मालाबार तटीय क्षेत्रों के अतिरिक्त प्रायद्वीपीय पठार के अधिकांश भागों में पायी जाती है। अर्थात् यह जलवायु कर्क रेखा के दक्षिण में स्थित प्रायद्वीपीय भारत के अधिकांश भागों में पायी जाती है। यहाँ सवाना प्रकार की वनस्पति पायी जाती है। इस प्रकार के प्रदेश में ग्रीष्मकाल में दक्षिण-पश्चिम मानसून से लगभग 75 सेमी. वर्षा होती है जबकि शीत काल सूखा रहता है।
शुष्क ग्रीष्म ऋतु एवं आर्द्र शीत ऋतु मानसूनी जलवायु	AS	यहाँ शीतकाल में वर्षा होती हैं और ग्रीष्म ऋतु शुष्क रहती है। यहाँ शीत ऋतु में उत्तर-पूर्वी मानसून (लौटते हुए मानसून) से अधिकांश वर्षा होती है। वर्षा ऋतु की मात्रा शीतकाल में लगभग 75-100 सेमी. होती है इसके अन्तर्गत तटीय तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के सीमावर्ती प्रदेश आते हैं।
अर्द्ध शुष्क स्टेपी जलवायु	BShw	यहाँ ग्रीष्म काल में 30-60 सेमी. वर्षा होती हैं। शीत काल में वर्षा का अभाव रहता है। यहाँ स्टेपी प्रकार की वनस्पति पायी जाती है। इसके अन्तर्गत मध्यवर्ती राजस्थान, पश्चिमी पंजाब, हरियाणा, गुजरात के सीमावर्ती क्षेत्र एवं पश्चिमी घाट के वृष्टि छाया प्रदेश शामिल हैं।
उष्ण मरुस्थलीय जलवायु	BWhw	यहाँ वर्षा काफी कम (30 सेमी. से भी कम) होती है तापमान अधिक रहता है। यहाँ प्राकृतिक वनस्पति कम होती है एवं काँटेदार मरुस्थलीय वनस्पति पायी जाती है। इस प्रदेश के अंतर्गत राजस्थान का पश्चिमी क्षेत्र उत्तरी, गुजरात एवं हरियाणा का दक्षिणी भाग शामिल हैं।
शुष्क शीत ऋतु की मानसूनी जलवायु	Cwg	इस प्रकार की जलवायु गंगा के अधिकांश मैदानी भागों पूर्वी राजस्थान, असम और मालवा के पठारी भागों में पायी जाती है। यहाँ गर्मी में तापमान 40°C तक बढ़ जाता है जो शीतकाल में 27°C तक पहुँच जाता है। वर्षा मुख्यतः ग्रीष्म ऋतु में होती है तथा शीत काल शुष्क रहता है।
लघु ग्रीष्मकाल युक्त शीत आर्द्र जलवायु	Dfc	इस प्रकार की जलवायु सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश और असम हिमालय के पूर्वी भागों में पायी जाती है। शीत काल ठण्डा, आर्द्र एवं लंबी अवधि का होता है तथा शीतकाल में यहां तापमान 10°C तक होता है।
टुण्ड्रा तुल्य जलवायु	ET	यहाँ तापमान वर्षभर 10°C से कम रहता है। शीत काल में हिमपात के रूप में वर्षा होती है। इसके अंतर्गत उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्र, कश्मीर, लद्दाख एवं हिमाचल प्रदेश के 3000 से 5000 मी. ऊँचाई वाले क्षेत्र शामिल हैं।
ध्रुवीय तुल्य जलवायु	E	यहाँ तापमान वर्ष भर 0°C से कम (हिमाच्छदित प्रदेश) होता है। इसके अन्तर्गत हिमालय के पश्चिमी और मध्यवर्ती भाग में 5000 मी. से अधिक ऊँचाई वाले क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर एवं हिमाचल CS प्रदेश) शामिल हैं।

अभ्यास प्रश्न

1. जैट स्ट्रीम जिसका अंग है , वह है
(A) विभिन्न वायुपुंज
(B) वाताग्र
(C) चक्रवात
(D) उच्चस्तरीय वायु संचरण
उत्तर (D)

2. मानसून की उत्पत्ति के विषय में पारम्परिक अवधारणा है
(A) जैट स्ट्रीम परिकल्पना
(B) अन्तर- उष्ण कटिबन्धीय अभिसरण परिकल्पना
(C) संस्थापित परिकल्पना
(D) अल नीनो - ला नीना प्रभाव
उत्तर (C)

3. विभिन्न वायुपुंजों के मिलने से बने वाताग्रों के कारण मानसून की उत्पत्ति जिस विद्वान ने मानी है , वह है
(A) फ्लोन
(B) कोटेश्वरम
(C) स्पेट
(D) हैमिल्टन
उत्तर (C)

4. यदि भूमध्य रेखा भारत के मध्य से गुजरती तो भारत की जलवायु होती –
(A) उष्ण एवं आर्द्र
(B) शीत व आर्द्र
(C) उष्ण व शुष्क
(D) शीत व शुष्क
उत्तर (A)

5. यदि पश्चिमी घाट नहीं होते तो पश्चिमी तटीय भाग में वर्षा होती-
(A) अधिक
(B) बिल्कुल नहीं
(C) कम
(D) अनिश्चित
उत्तर (C)

6. निम्नांकित में से किस समुच्चय के राज्यों में वार्षिक वर्षा 200 से.मी. से अधिक होती है ?
(A) नागालैण्ड , मेघालय , मणिपुर एवं अरूणाचल प्रदेश
(B) मेघालय , मणिपुर , उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश
(C) नागालैण्ड , तमिलनाडु , अरूणाचल प्रदेश एवं पश्चिम बंगाल
(D) मध्य प्रदेश , मणिपुर , उत्तर प्रदेश एवं मेघालय **उत्तर (A)**

7. चेन्नई की जलवायु कोलकाता की जलवायु की तुलना में गर्म क्यों रहती है, जबकि दोनों स्थान समुद्र तट पर स्थित हैं ?
(A) क्योंकि चेन्नई कोलकाता की अपेक्षा समुद्र तट से कुछ ही दूरी पर है
(B) चेन्नई के आस-पास रेत ही रेत है
(C) चेन्नई विषुवत रेखा के अधिक समीप है
(D) चेन्नई ठंडी हवाओं के मार्ग में नहीं पड़ता है, जबकि कोलकाता पड़ता है
उत्तर (C)

8. भारत के किस राज्य में जाड़े के मौसम में वर्षा होती है ?
(A) केरल
(B) तमिलनाडु
(C) प. बंगाल
(D) ओड़िशा
उत्तर (C)

9. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये -
1. दक्षिणी भारत से उत्तरी भारत की ओर मानसून की अवधि घटती है।
2. उत्तरी भारत के मैदानों में वार्षिक वृष्टि की मात्रा पूर्व से पश्चिम की ओर घटती है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1 और न ही 2
उत्तर (C)

10. भारत के किस भाग में सर्वाधिक दैनिक-तापांतर पाया जाता है?
(A) पूर्वी तटीय प्रदेश
(B) छत्तीसगढ़ मैदान के आंतरिक क्षेत्रों में
(C) अंडमान द्वीपों में
(D) राजस्थान के मरूस्थलीय क्षेत्रों में
उत्तर (D)

अध्याय – 5

प्रमुख नदियाँ एवं झीलें

भारत नदियों का देश हैं । भारत के आर्थिक विकास में नदियों का महत्त्वपूर्ण स्थान हैं । नदियाँ यहाँ आदिकाल से ही मानव की जीविकोपार्जन का साधन रही हैं ।

- भारत में 4000 से भी अधिक छोटी व बड़ी नदियाँ हैं, जिन्हें 23 वृहत् तथा 200 लघु नदी श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता हैं ।
- किसी नदी के रेखीय स्वरूप को प्रवाह रेखा कहते हैं। कई प्रवाह रेखाओं के योग को प्रवाह संजाल (Drainage Network) कहते हैं ।

अपवाह व अपवाह तंत्र (Drainage and Drainage System)

निश्चित वाहिकाओं (Channels) के माध्यम से हो रहे जल प्रवाह को अपवाह (Drainage) तथा इन वाहिकाओं के जाल को अपवाह तंत्र (Drainage System) कहा जाता हैं।

जलग्रहण क्षेत्र (Catchment Area)-

एक नदी विशिष्ट क्षेत्र से अपना जल बहाकर लाती है जिसे जलग्रहण क्षेत्र कहते है ।

अपवाह द्रोणी –

एक नदी व उसकी सहायक नदियों द्वारा अपवाहित क्षेत्र को अपवाह क्षेत्र कहते है ।

भारत का अपवाह तंत्र

- **उद्गम के आधार पर**
  - **हिमालय से निकलने वाली नदियाँ**
    1. सिन्धु नदी तंत्र
    2. गंगा नदी तंत्र
    3. ब्रह्मपुत्र नदी तंत्र
  - **प्रायःद्वीपीय भारत की नदियाँ**
    1. गोदावरी
    2. महानदी
    3. कृष्णा
    4. कावेरी
    5. नर्मदा
    6. ताप्ती
    7. पेन्नार
    8. वैगई
    9. शरावती
- **समुन्द्र में जल विसर्जन के आधार पर**
  - **अरब सागरीय नदियाँ**
    1. सिन्धु
    2. माही
    3. नर्मदा
    4. ताप्ती
    5. पेरियार
    6. मांडवी
    7. जुआरी
    8. शरावती
  - **बंगाल की खाड़ी**
    1. गंगा
    2. यमुना
    3. कृष्णा
    4. कावेरी
    5. गोदावरी
    6. महानदी
    7. पेन्नार
    8. वैगई
    9. बराक
    10. चम्बल
    11. दामोदर
- **जल संभर के आधार पर**

- कुल अपवाह क्षेत्र का लगभग 77 प्रतिशत भाग, जिसमें गंगा, ब्रह्मपुत्र, कृष्णा आदि नदियाँ शामिल हैं । बंगाल की खाड़ी में जल विसर्जित करती हैं,
- जबकि 23% भाग जिसमें सिन्धु, नर्मदा, तापी, माही व पेरियार नदियाँ शामिल हैं । अपना जल अरब सागर में गिराती हैं ।
- नदी अपना जल किसी विशेष दिशा में बहाकर समुद्र में मिलाती हैं, यह कई कारकों पर निर्भर करता हैं । जैसे भूतल का ढाल, भौतिक संरचना, जल प्रवाह की मान एवं जल का वेग ।

अध्याय – 11

राष्ट्रीय राजमार्ग एवं प्रमुख परिवहन गलियारे

किसी भी देश की आर्थिक विकास के लिए परिवहन अत्याधिक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है/ भारत के निरंतर विकास में सुचारू परिवहन का महत्त्वपूर्ण योगदान है भारत के परिवहन में कुल मार्गों का लगभग 80% सड़कें, 9% रेल, 6% वायुमार्ग एवं 2% जलमार्ग हैं।

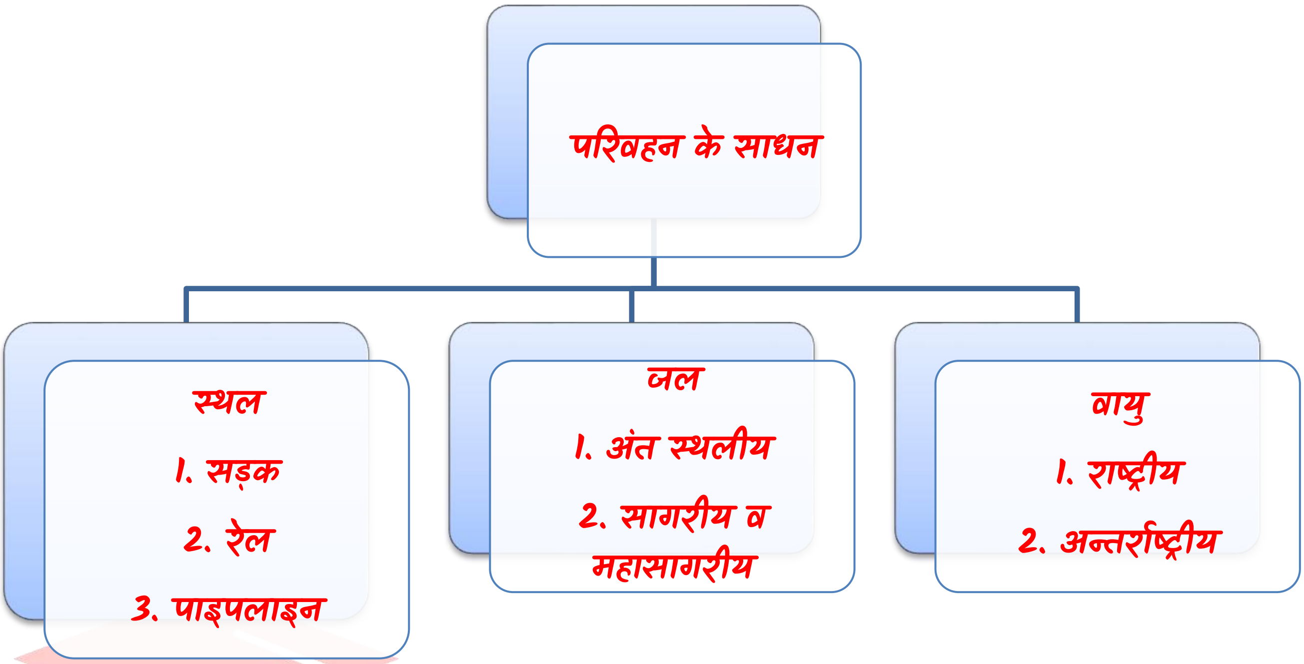

रेल परिवहन

- वर्ष 1832 में भारत में रेलवे को लेकर पहला प्रस्ताव मद्रास में प्रस्तुत किया गया था।
- वर्ष 1837 में भारत को अपनी पहली ट्रेन रेड हिल रेलवे के रूप में मिली, जिसे सड़क निर्माण हेतु ग्रेनाइट परिवहन के एकमात्र उद्देश्य के लिये शुरू किया गया था।
- 16अप्रैल, 1853 में ग्रेट इंडियन पेनिनसुला रेलवे द्वारा संचालित भारत की पहली यात्री ट्रेन बोरी बंदर (मुंबई) और ठाणे के बीच (दुरी-34किमी.)चली। इसमें तीन भाप के इंजन लगे थे - सिन्धु, सुल्तान एवं साहिब।
- विश्व में सर्वप्रथम रेल 1825 में ब्रिटेन में लीवरपुर से मैंनचेस्टर के बीच चलायी गयी थी।
- भारतीय रेलवे बोर्ड की स्थापना लॉर्ड कर्जन के समय 1905 में हुई।
- फरवरी, 1925 में भारत में पहली इलेक्ट्रिक ट्रेन मुंबई में विक्टोरिया टर्मिनस और कुर्ला के बीच चलाई गई थी।
- भारतीय रेल देश का सबसे बड़ा राष्ट्रीयकृत उपक्रम है ।
- यह भारतीय अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों (कृषि उद्योग , व्यापार सेवा) के विकास में सहयोग करने वाला मुख्य परिवहन माध्यम है ।
- विशाल रेलमार्ग के साथ भारतीय रेलवे एशिया का सबसे बड़ी व विश्व की दूसरे स्थान की रेल प्रणाली हो गई है ।
- भारतीय रेलवे में 13.26 लाख श्रमिकों को रोजगार मिला हुआ है ।
- भारतीय रेलवे का संचालन केन्द्र सरकार द्वारा किया जाता है ।
- सन् 1949 में देश में 9 राजकीय एवं 28 देशी रियासतों की रेल चलती थी , जिनका 1950 में राष्ट्रीयकरण कर 8 रेलमण्डल बनाए गए । 1966 में अधिनियम द्वारा 9 रेलमण्डलों में विभक्त किया गया ।
- भारतीय रेलवे का पूर्ण विद्युतीकरण वित्तीय वर्ष 2024 तक लक्षित है। इसके पश्चात् यह विश्व की सबसे बड़ी 100% विद्युतीकृत वाली रेल परिवहन प्रणाली होगी।
- देश का पहला रेल विश्वविद्यालय बड़ोदरा (गुजरात) में स्थापित करने की 25 फरवरी, 2016 रेल बजट में घोषणा की गई ।
- वर्ष 1924-25 से एक्वर्थ कमिटी की सिफारिश के आधार पर रेल बजट को सामान्य राजस्व बजट से अलग कर दिया गया लेकिन वर्ष 2017 में रेल बजट के विलय का फैसला नीति आयोग के सदस्य विवेक देबरॉय की अध्यक्षता वाली समिति की सिफारिश पर किया है।
- 15 अगस्त, 1947 को स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद जॉन मथाई आजाद भारत के पहले रेलमंत्री थे।
- बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी वर्ष 2000 में पहली महिला रेलमंत्री बनी थी।
- वर्तमान में 28% रेलमार्ग, 41% चालू पटरियों व 62% कुल रेल पटरियों का विद्युतीकरण हो चुका है।

6. निम्नलिखित में से असुमेलित की पहचान करे

पुस्तक	लेखक
(A) दास कैपिटल	कार्ल मार्क्स
(B) फ्री ट्रेड टुडे	पी. एन. भगवती
(C) प्लानिंग एण्ड द पुअर	बी. एस. मिन्हास
(D) एशियन ड्रामा	गुर्नार मिर्डाल **(B)**

7. अल्पविकसित अर्थव्यवस्था की सामान्यतया विशेषता होती है-

(I) प्रति व्यक्ति निम्न आय
(II) पूँजी निर्माण की निम्न दर
(III) निम्न आश्रितता अनुपात
(IV) तृतीयक क्षेत्र में अधिक कार्यबल शक्ति का होना

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए

कूटः
(A) I तथा II
(B) II तथा III
(C) III तथा IV
(D) I तथा IV **(A)**

8. मिश्रित अर्थव्यवस्था का अर्थ है -

(A) वृहत् एवं कुटीर उद्योगों का सहअस्तित्व
(B) औद्योगिक विकास में विदेशों का सहयोग
(C) सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्र का सहअस्तित्व
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं **(C)**

9. वर्तमान में भारत अर्थव्यवस्था के मामले में विश्व में कौन-से स्थान पर हैं?

(A) 3 (B) 4
(C) 5 (D) 7 **(C)**

10. अर्थशास्त्र किसकी पुस्तक हैं?

(A) एडम स्मिथ
(B) कौटिल्य
(C) मैगनस्थीज
(D) इसमें से कोई नहीं **(B)**

अध्याय - 2

बजट एवं बजट निर्माण

बजट

- बजट किसी भी शासन के अनुमानित आय-व्यय के लेखे को कहा जाता हैं।
- लोक प्रशासन का सबसे महत्वपूर्ण तत्व हैं, वित्तीय व्यवस्था। शासन द्वारा किये जाने वाले सभी कार्यों के लिए धन की आवश्यकता होती हैं। यह धन कहाँ से आयेगा? और यह धन कहाँ-कहाँ खर्च होगा? यह सभी बातें सुविचारित तथा सुव्यवस्थित होनी चाहिए। इसी व्यवस्था को बजट के नाम से जाना जाता हैं।

बजट का अर्थ

- स्पष्ट है कि शासन के अनुमानित आय-व्यय के लेखे को बजट कहा जाता हैं। यह लेखा एक वर्ष का हो सकता है या उससे अधिक वर्ष का भी हो सकता हैं। इस लेखे में वर्ष में विभिन्न मदों पर होने वाले व्यय का वर्णन रहता है, साथ ही इस बात का स्पष्ट उल्लेख भी रहता है कि उसके लिए जरूरी धन कहाँ से आयेगा? नये करों का प्रावधान भी उसमें रहता हैं।

एक अच्छे बजट के मुख्य लक्षण या विशेषताएं

1. बजट एक निश्चित अवधि के लिए आय-व्यय का अनुमान है।
2. यह एक तुलनात्मक तालिका भी है, जिसमे प्राप्तियों व खर्चों की राशियों की तुलनात्मक विवेचना होती है।
3. यह सरकार के लिये धन उगाही और व्यय के लिये विधायिका का आदेश है।
4. यह प्रशासन के कार्यों का वित्तीय प्रतिवेदन है।

बजट के प्रकार (Types Of Budget)

(1) निर्माण के आधार पर (On the Basis of Construction):

i. व्यवस्थापिका द्वारा निर्मित बजट ।
ii. कार्यपालिका द्वारा निर्मित बजट (भारत में यही प्रचलित है)।
iii. मण्डल या आयोग द्वारा निर्मित बजट (अमेरिका के कुछ राज्यों में प्रचलित है) ।

(2) स्वरूप के आधार पर (On the Basis of Format):

(A) लाइन आइटम बजट (Line-Item Budget):

यह बजट का परम्परागत रूप है । यह 18वीं-19वीं सदी में विकसित हुआ । इस बजट में वस्तुओं या मद का महत्व अधिक होता है । उन मदों या वस्तुओं पर खर्च से क्या उद्देश्य हासिल होगा, इस पर नहीं । इसका मुख्य उद्देश्य अपव्यय, अधिक खर्च और बर्बादी को रोकना है ।

i. लाइन-आइटम बजटिंग में सार्वजनिक व्यय पर कठोर नियन्त्रण रखने के उद्देश्य को प्रमुखता दी जाती है । इसमें बजट को सार्वजनिक खर्च पर नियन्त्रण रखने की विधि के

रूप में देखा जाता है जिसका परिणाम वस्तुनिष्ठ बजट के रूप में सामने आता है ।

ii. इसमें व्यय की प्रत्येक मद को पंक्तिवार (लाइन) लिखा जाता हैं ।

iii. इसमें यह देखा जाता है कि जिस मद पर खर्च की स्वीकृति हुई है, वह उसी पर व्यय हो, यद्यपि लाइन आइटम बजट को इस वस्तुनिष्ठता के बजाय एक दूसरे रूप में भी बनाया जाता है । जिसमें एक मद का पैसा दूसरे मद में भी खर्च करने की अनुमति रहती है।

iv. इसमें खर्च की जाने वाली राशि पर जोर अधिक रहता है, उससे क्या परिणाम हासिल हुआ, उस पर नहीं ।

v. इसे अभिवर्धन बजट व्यवस्था भी कहते हैं क्योंकि बजट राशि सदैव पूर्व की अपेक्षा अधिक दी जाती है । वैसे यही बजट अन्य सुधारात्मक बजट जैसे शून्य बजट आदि का आधार होता है।

(B) कार्य निष्पादन बजट (Performance Budgeting):

- यह वर्ष 1930 की मंदी का परिणाम था ।
- सर्वप्रथम संयुक्त राज्य अमेरिका में हुवर आयोग (1949) ने इसकी सिफारिश की थी और 1950 में राष्ट्रपति ट्रुमेन ने इसे अपनाया था ।
- निष्पादन बजट (Performance Budget) शब्दावली सर्वप्रथम हुवर कमीशन (1949) ने ही प्रयुक्त की थी ।
- हुवर आयोग ने कार्य, कार्यक्रम और क्रिया को बजट का आधार बनाने की सिफारिश की थी, जो कार्य निष्पादन बजट के 3 प्रमुख तत्व हैं ।
- यह बजट व्यय को सीधे उपलब्धियों से जोड़ देता है । यह व्यय के स्थान पर व्यय के उद्देश्य पर आधारित है । इससे बजट का स्वरूप लोकतांत्रिक हो जाता है । सरकारी गतिविधियां स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगती हैं । व्यवस्थापिका को स्पष्ट हो जाता है कि सरकार कौन से कार्यक्रम या परियोजनाएं शुरू कर रही है । इससे अगले वर्ष इनकी प्रगति के बारे में वह प्रभावशाली ढंग से पूछ सकती है ।
- यह नवीन लोक प्रशासन की देन है और वित्तीय प्रशासन में सुधार का आवश्यक अंग है । इसे शुरुवात में कार्यात्मक बजट या गतिविधि-बजट कहा जाता था ।

भारत का बजटीय इतिहास

- बजट शब्द का प्रतिपादन फ्रांसीसी शब्द बूजे से हुआ है , जिसका अर्थ चमड़े का बैग होता है ।
- वर्ष 1733 ई . में इंग्लैण्ड में इस शब्द का प्रयोग जादू के पिटारे के अर्थ में किया गया था ।
- **भारत में बजट निम्नलिखित अनुमानों को व्यक्त करता हैं ; जैसे**

✓ विगत वित्त वर्ष के वास्तविक आय - व्यय अनुमान
✓ चालू वित्त वर्ष के बजट अनुमान
✓ चालू वित्त वर्ष के संशोधित अनुमान
✓ आगामी वर्ष के प्रस्तावित बजट अनुमान

- **भारत के बजटीय इतिहास के निम्नलिखित प्रमुख तथ्य**

➢ स्वतंत्र भारत का पहला बजट 26 नवम्बर , 1917 को पहले वित्त मंत्री आर. के. षणमुखम द्वारा पेश किया गया था ।
➢ जॉन मेथाई को वर्ष 1950 में गणतंत्र भारत का पहला केन्द्रीय बजट पेश करने का गौरव प्राप्त हुआ था ।
➢ गैर - हिन्दी भाषी होने के बावजूद सीडी देशमुख ने वित्तमंत्री रहते सुनिश्चित किया था कि बजट के सभी दस्तावेज हिन्दी में भी छपे । इससे पूर्व वे केवल अंग्रेजी में ही छपते थे
➢ मोरारजी देसाई चौधरी चरण सिंह , विश्वनाथ प्रताप सिंह और मनमोहन सिंह देश में चार ऐसे प्रधानमंत्री हुए हैं , जो वित्त मंत्री पद पर भी काम कर चुके । भारत में सबसे ज्यादा बजट पेश करने वाले वित्त मंत्री मोरारजी देसाई थे , उन्होंने कुल दस बजट पेश किए , जबकि पी . चिदंबरम ने अब तक आठ बजट पेश किए हैं ।
➢ हेमवती नन्दन बहुगुणा , के.सी. नियोगी और मनमोहन सिंह वित्तमंत्री रहने के बावजूद भी बजट पेश नहीं कर पाए।
➢ अंग्रेजों ने भारत के लिए बजट पेश करना शुरू किया जो उसके लिए शाम के पाँच बजे का समय रखा गया था , लेकिन वर्ष 1999 से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार के वित्तमंत्री यशवंत सिन्हा ने बजट पेश करने का समय दिन के 11 बजे कर दिया ।
➢ 25 फरवरी , 1992 में भारत में पहली बार रेल बजट और 29 फरवरी , 1992 को सामान्य बजट का टेलीविजन पर प्रसारण शुरू हुआ था ।
➢ सर्वप्रथम सर्विस टैक्स की शुरुआत वर्ष 1994-95 के बजट की गई । इस समय पहली बार टेलीफोन बिल , स्टॉक ब्रेकिंग चार्ज एवं जनरल इंश्योरेंस पर 5 % सर्विस टैक्स लगाया गया था ।

बजट निर्माणकारी एजेंसियाँ

- बजट का निर्माण एक व्यापक कार्य है , एक संस्था नहीं बल्कि अनेक संस्थाएँ मिलकर कार्य करती हैं , जिनका विवरण निम्नलिखित हैं-
- **योजना आयोग-** बजट निर्माण में प्रमुख भूमिका यद्यपि वित्त मंत्रालय की होती है , लेकिन योजना हेतु कितने संसाधनों की व्यवस्था तथा संसाधनों के व्यय संबंधी सभी बातों की जिम्मेदारी योजना आयोग के ऊपर होती थी । योजना आयोग बजट में योजनाओं की प्राथमिकता को शामिल करने का कार्य करती थी यही जिम्मेदारी अब NITI आयोग को दे दी गई है ।
- **वित्त मंत्रालय-** बजट के लिए जरूरी सभी संसाधनों का एकत्रीकरण , भिन्न संस्थाओं के मध्य समन्वय स्थापना तथा प्रारम्भिक स्तर से लेकर अन्तिम स्तर तक बजट के समस्त कार्यों का सम्पादन वित्त मंत्रालय (Finance Ministry) द्वारा ही किया जाता है ।

बैंक ऑफ मैसूर	1913
इम्पीरियल बैंक ऑफ इंडिया	1921
भारतीय रिजर्व बैंक	1935
भारतीय स्टेट बैंक	1955

भारतीय रिजर्व बैंक

- भारत का केन्द्रीय बैंक है ।
- वर्ष 1930 में केन्द्रीय बैंकिंग जाँच समिति की सिफारिश के आधार पर भारत के केन्द्रीय बैंक के रूप में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (R.B.I.) की स्थापना RBI अधिनियम, 1934 के तहत् I अप्रैल , 1935 को 5 करोड़ रुपये की अधिकृत पूँजी से हुई थी ।
- 1 जनवरी, 1949 को भारतीय रिजर्व बैंक का राष्ट्रीयकरण कर दिया गया । इसके प्रथम गवर्नर सर ओसबोर्न स्मिथ (1935-37) थे ।
- देश के स्वतंत्रता के समय में RBI के गर्वनर सर सी डी . देशमुख (1943-49) थे ।
- रिजर्व बैंक के कार्यों का संचालन केन्द्रीय संचालक मण्डल (Central Borad of Directors) द्वारा होता है ।
- सम्पूर्ण देश में इसे चार भागों में बाँटा गया है - उत्तरी क्षेत्र , दक्षिणी क्षेत्र , पूर्वी क्षेत्र तथा पश्चिमी क्षेत्र ।
- इसमें प्रत्येक के लिए 5 सदस्यों का एक स्थानीय बोर्ड (Local board) होता है ।
- केन्द्रीय बोर्ड में 1 गवर्नर तथा अधिक से अधिक 4 डिप्टी गवर्नर होते हैं , जिनकी नियुक्ति केन्द्र सरकार पाँच वर्षों के लिए करती है ।
- वर्तमान में RBI के 25वें गवर्नर शक्तिकांत दास (12 दिसम्बर, 2018 से लगातार)है।
- स्थानीय बोर्डों के कार्यालय नई दिल्ली , चेन्नई , कोलकाता और मुम्बई में है ।
- स्थानीय बोर्ड केन्द्रीय बोर्ड के आदेशानुसार कार्य करते हैं ।
- रिजर्व बैंक का प्रधान अथवा केन्द्रीय कार्यालय मुम्बई में स्थित है ।
- नई दिल्ली , कोलकाता तथा चेन्नई में स्थानीय प्रधान कार्यालय है

RBI के कार्य

भारत में नए नोट जारी करने की व्यवस्था

- एक रुपये के नोट का सभी सिक्कों को छोड़कर रिजर्व बैंक को विभिन्न मूल्य वर्ग के नोटों को जारी करने का एकाधिकारक प्राप्त है ।
- रिजर्व बैंक सरकार के प्रतिनिधि के रूप में एक रुपए के नोटों तथा सिक्कों एवं छोटे सिक्कों का देश में वितरण का कार्य करता है ।
- करेन्सी नोट जारी करने के लिए वर्तमान में रिजर्व बैंक नोट प्रचालन की न्यूनतम निधि पद्धति (Minimum Reserve System) को अपनाता है । इस पद्धति के अंतर्गत रिजर्व बैंक के पास स्वर्ण एवं विदेशी ऋणपत्र कुल मिलाकर किसी भी समय 200 करोड़ रुपये के मूल्य से कम नहीं होने चाहिए । इनमें स्वर्ण का मूल्य (धातु तथा मुद्रा मिलाकर) 115 करोड़ रुपए से कम नहीं होना चाहिए । यह पद्धति रिजर्व बैंक ने 1957 के बाद अपनाई थी ।

> **NOTE**-नए नोट छापने की एक अन्य व्यवस्था भी हैं परन्तु इसका प्रयोग भारत में नहीं होता यह व्यवस्था अनुपाती आरसी व्यवस्था है (Prahetional Resere system) इसके अन्तर्गत जिस अनुपात में नए नोट का मूल्य बढ़ता हैं उसी अनुपात में रखे गए कोष को बढाना पड़ता है
>
> **NOTE** – 1000 रुपये के नोटों का परिचालन 8 नवम्बर, 2016 से बंद हो गया है।

NOTE- सिक्के सीमित विधि ग्राह्य (Limited Legal Tender) हैं । भारत में कागजी नोट असीमित विधि ग्राह्य (Unlimited Le gal Tender) है । इसका अर्थ यह है कि भुगतान का निपटारा करने के लिए सिक्कों का प्रयोग केवल एक सीमा तक ही किया जा सकता है । इसके विपरीत , कागजी नोटों के रूप में भुगतानों का निपटारा करने हेतु उनका प्रयोग असीमित मात्रा में किया जा सकता है ।

सिक्कों का उत्पादन

- सिक्कों का उत्पादन करने तथा सोने और चाँदी की परख करने एवं तमगों का उत्पादन करने के लिए भारत सरकार की पाँच टकसालें मुम्बई, अलीपुर (कोलकाता), सैफाबाद (हैदराबाद), चेर्लापल्ली (हैराबाद) तथा नोएडा में स्थित है।
- टकसालों में सिक्कों के अलावा विभिन्न प्रकार के पदकों (मेडल) का भी उत्पादन किया जाता है ।
- **NOTE**- 25 पैसे तथा इससे कम मूल्य के सभी सिक्कों का परिचालन जुलाई, 2011 से बंद हो गया है । अर्थात देश में अब 50 पैसे का सिक्का सबसे कम मूल्य की विधिग्राह्य मुद्रा है ।

1. इण्डिया सिक्योरिटी प्रेस , नासिक (महाराष्ट्र) –

- भारत प्रतिभूति में डाक सम्बन्धी लेखन सामग्री , डाक एवं डाक - भिन्न टिकटों , अदालती एवं गैर - अदालती स्टाम्पों , बैंकों (RBI तथा SBI) के चेकों , बॉण्डों , राष्ट्रीय बचत पत्रों आदि के अलावा राज्य सरकारों , सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों , वित्तीय निगमों आदि के प्रतिभूति पत्रों की छपाई की जाती है ।

2. सिक्योरिटी प्रिन्टिंग प्रेस , हैदराबाद

- सिक्योरिटी प्रिन्टिंग प्रेस हैदराबाद की स्थापना दक्षिण राज्यों की डाक लेखन सामग्री की मांगों को पूरा करने के लिए की गई तथा यहाँ पूरे देश की केन्द्रीय उत्पाद शुल्क स्टाम्प की छपाई भी होती है ।

3. करेन्सी नोट प्रेस , नासिक (महाराष्ट)

- नोट प्रेस 1 , 2 , 5 , 10 , 50 , 100 , 500 तथा 2000 रुपये के बैंक नोट छापती है और उनकी पूर्ति करती है ।

4. बैंक नोट प्रेस , देवास (मध्य प्रदेश)

- देवास स्थित बैंक नोट प्रेस 20 , 50 , 100 , 500 और 2000 रुपये के उच्च मूल्य वर्ग के नोट छापती है ।
- बैंक नोट प्रेस का स्याही का कारखाना प्रतिभूति पत्रों की स्याही का निर्माण करता है ।

5 . साल्बोनी (पं . बंगाल) तथा मैसूर (कर्नाटक) के भारतीय रिजर्व बैंक ने दो नयी एवं अत्याधुनिक करेन्सी नोट प्रेस स्थापित की गयी है । यहाँ भारतीय रिजर्व बैंक के नियन्त्रण में करेन्सी नोट छापे जाते हैं ।

6. सिक्योरिटी पेपर मिल , होशंगाबाद (मध्य प्रदेश)

बैंक और करेन्सी नोट कागज तथा गैर - ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर की छपाई में प्रयोग होने वाले कागज का उत्पादन करने के लिए सिक्योरिटी पेपर मिल होशंगाबाद में 1967-68 में चालू की गई थी ।

<u>सरकार के बैंकर का कार्य करना</u>

- सरकारी बैंकर के रूप में यह निम्नलिखित कार्य सम्पन्न करता है-

(i) भारत सरकार तथा राज्य सरकारों की ओर से धन प्राप्त करना और इनके आदेशानुसार इनका भुगतान करना ।
(ii) भारत सरकार तथा राज्य सरकारों की ओर से जनता से ऋण प्राप्त करना ।
(iii) सरकारी कोषों का स्थानान्तरण करना ।
(iv) भारत सरकार एवं राज्य सरकारों के लिए विदेशी विनिमय का प्रबन्ध करना ।
(v) भारत सरकार एवं राज्य सरकारों को आर्थिक सलाह देना।

<u>रिजर्व बैंक बैंकों का बैंक</u>

- बैंकों के बैंक के रूप में यह निम्नलिखित कार्य करता है

(i) रिजर्व बैंक व्यापरिक बैंकों का अंतिम ऋणदाता है ।
(ii) रिजर्व बैंक बैंकों की साख नीति का नियंत्रण रखता है ।
(iii) वर्ष 1949 के बैंकिंग नियमन अधिनियम के अंतर्गत रिजर्व बैंक को व्यापक अधिकार प्राप्त है ; जैसे - अनुसूचित बैंक का निरीक्षण करना , नए बैंकों की स्थापना के लिए अनुज्ञा - पत्र प्रदान करना , आदि ।

<u>विदेशी विनिमय कोष का संरक्षण करना</u>

- केन्द्रीय बैंक देश के विदेशी विनिमय कोष के संरक्षक के रूप में भी कार्य करता है । केन्द्रीय बैंक विदेशी मुद्राओं के कोष संचित रखता है जिससे अंतरराष्ट्रीय व्यापार के विकास तथा विनिमय दर की स्थिरता को बनाए रखा जा सके ।

<u>कृषि साख की व्यवस्था करना</u>

- कृषि साख की व्यवस्था करने के लिए रिजर्व बैंक ने एक कृषि साख विभाग की स्थापना की है । इस विभाग का मुख्य कार्य कृषि साख से सम्बन्धित समस्याओं के बारे में अनुसंधान करना है ।

<u>समाशोधन - गृह का कार्य करना</u>

- रिजर्व बैंक देश का केन्द्रीय बैंक है । यह बैंकों को समाशोधन गृह (Clearing House) की सुविधा प्रदान करता है । यह कार्य करके रिजर्व बैंक सदस्य बैंकों में रुपए के स्थानान्तरण को सुविधाजनक बनाता है

<u>साख का नियंत्रण करना</u>

- साख तथा मुद्रा पर नियंत्रण करने के लिए रिजर्व बैंक देश में मुद्रा तथा साख की माँग व पूर्ति के मध्य संतुलन स्थापित करने का प्रयास करता है । देश में मौद्रिक स्थायित्व लाने के लिए यह एक महत्वपूर्ण कार्य है ।

<u>औद्योगिक वित्त की व्यवस्था में सहायता करना</u>

- रिजर्व बैंक ने ' औद्योगिक वित्त निगम ' तथा ' राज्य वित्त निगमों ' के बड़ी मात्रा में अंश खरीद रखे हैं । आवश्यकता पड़ने पर वह दीर्घकालीन व मध्यकालीन ऋण भी प्रदान करता है ।

<u>आर्थिक व्यवस्था से सम्बन्धित समक एकत्रित करना</u>

- रिजर्व बैंक मुद्रा , साख , बैंकिंग , वित्त , कृषि एवं औद्योगिक उत्पादन आदि से सम्बन्धित आँकड़े एकत्रित करता है और उन्हें प्रकाशित करता है । ये आँकड़े देश की विभिन्न आर्थिक समस्याओं को समझने में सहायता देते है ।

<u>भारत की वर्तमान करेन्सी व्यवस्था</u>

- भारतीय करेन्सी व्यवस्था की इकाई रुपया है जिसमें कागजी करेन्सी और सिक्के दोनों प्रचलित हैं । सिक्के एवं एक रुपये का नोट (जिस पर वित्त सचिव , भारत सरकार के हस्ताक्षर होते हैं) भारत सरकार निर्गत करती है , जबकि 2 ,5 ,10,20,50, 100, 500 तथा 2,000 रुपये के करेन्सी नोट भारतीय रिजर्व बैंक निर्गत करता है।

<u>साख नियंत्रण (Control of Credit)</u>

- रिजर्व बैंक साख के नियंत्रण एवं नियमन हेतु दो प्रकार के का प्रयोग करता है

(A) परिमाणात्मक या मात्रात्मक साख नियंत्रण
(B) गुणात्मक साख नियंत्रण

(A) परिमाणात्मक विधियाँ

- इनके द्वारा एक अर्थव्यवस्था की कुल मुद्रा पूर्ति / साख को प्रभावित किया जा सकता है । इनके द्वारा साख के प्रवाह को न तो अर्थव्यवस्था के किसी खास क्षेत्र की ओर निर्देशित किया जाता है और न ही सीमित किया जाता है । ये विधियाँ निम्न हैं-

परिसम्पत्तियों में कमी , पूँजी (NPA) पर्याप्तता अनुपात में वृद्धि की अनुशंसा की है ।

- बैंकों की खराब परिसम्पत्तियों के अधिग्रहण के लिए एसेट रिकन्सट्रक्शन फण्ड , भारतीय रिजर्व बैंक की नियामक व देख रेख सम्बन्धी क्रियाओं को पृथक करने हेतु बोर्ड फॉर फाइनेंशियल सुपरविजन (Board for Financial Supervision , BFS) को स्वायत्तता प्रदान करने की भी सिफारिश की ।
- बैंकों को राजनीति से मुक्त करने , निर्देशक बोर्ड में पेशेवर व्यक्तियों के शामिल करने तथा बैंक के किसी भी कर्मचारी के विरुद्ध कार्यवाही से पूर्व समुचित जाँच - पड़ताल करने की संस्तुति भी की हो ।

दामोदरन समिति

- इस समिति की स्थापना वर्ष 2011 में की गई जिसने अपनी रिपोर्ट अगस्त, 2011 में सरकार को सौंप दी ।
- सेबी (SEBI) के पूर्व अध्यक्ष एम. दामोदरन की अध्यक्षता में गठित समिति ने बैंकिंग सेवाओं में सुधार हेतु कई महत्त्वपूर्ण सिफारिशें की हैं ।
- इसके साथ जारी रिपोर्ट पर RBI द्वारा आम जनता की टिप्पणियाँ भी आमंत्रित की गई थी
- बैंकिंग सेवाओं के संदर्भ में समिति द्वारा ' न्यूनतम बैलेन्स ' की अवधारणा को समाप्त करने का सुझाव दिया गया है और आवश्यक सेवाओं को निशुल्क बनाने की भी सिफारिशें की गई हैं ।
- होम लोन , निशुल्क कॉल सेण्टर की स्थापना आदि के संदर्भ में भी समिति ने अपने विचार व्यक्त किए हैं ।

खण्डेलवाल समिति

- इस समिति का गठन बैंकों में मानव संसाधन में सुधार लाने के लिए किया गया ।
- इस समिति द्वारा निम्नलिखित सुझाव दिए गए हैं – बैंकों में मानव संसाधन प्रबंधन उनकी नियुक्ति, योजना, प्रशिक्षण, भविष्य योजना, निष्पादन प्रबंधन, पुरस्कार प्रबंधन, उत्तराधिकार योजना एवं नेतृत्व विकास, अभिप्रेरण, मानव संसाधन में व्यावसायिक दृष्टिकोण, वेतन, सेवा शर्तें तथा कल्याण

बैंकिंग क्षेत्र में सुधार हेतु गठित विभिन्न समितियाँ

नाम	गठन वर्ष	कार्य क्षेत्र
1991	गोइपोरिया समिति	ग्राहक सेवा में सुधार हेतु
1993	घोष समिति	बैंकों में धोखाधड़ी रोकने हेतु
1994	नायक समिति	लघु एवं मध्यम उद्योगों को ऋण उपलब्ध कराने हेतु
1997	तारापोर समिति	विदेशी विनिमय में पूँजी खाता परिवर्तननीयता हेतु
1998	आरवी गुप्ता समिति	कृषि ऋण के क्षेत्र हेतु
1998	खान समिति	युनिवर्सल बैंकिंग के कोरम हेतु
1999	वर्मा समिति	कमजोर बैंकों की समस्याएँ और उपाय हेतु
2001	रेड्डी समिति	छोटी बचतों से जुड़ी व्यवस्था में सुधार हेतु
2001	खन्ना समिति	गैर - निष्पादक आस्तियों की रूपरेखा में परिवर्तन
2007	दीपक पारिख समिति	आधारित संरचना के वित्तीय मामले में सुझाव देने हेतु
2009	सुब्बाराव समिति	मौद्रिक नीति परतकनी की सलाह हेतु

बैंक्स बोर्ड ब्यूरो

- भारत में बैंकिंग प्रणाली के ढाँचे को पारदर्शी तथा व्यावहारिक बनाने के लिए 14 अगस्त, 2015 को केन्द्र सरकार ने बैंक्स बोर्ड ब्यूरो (BBB) की स्थापना को मंजूरी दी ।
- 1 मार्च, 2016 को पूर्व महालेखा परीक्षक विनोद राय की अध्यक्षता में BBB ने अपना कार्य आरम्भ किया ।
- बैंक्स बोर्ड ब्यूरो, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से जुड़े प्रशासनिक निर्णय लेगा ।
- इसका कार्य इन बैंकों के प्रमुख अधिकारियों की नियुक्ति होगी ।
- यह 6 - सदस्यीय बोर्ड है जिसमें तीन सदस्यों का चयन सरकार द्वारा किया जाना है तथा अन्य तीन सदस्यों की नियुक्ति क्षेत्र के बैंकों द्वारा की जाएगी ।
- अगले पाँच वर्षों में 180000रु. करोड़ निवेश के लिए BBB को कई दायित्व सौंपे गए हैं ।

<u>(स्वर्ण मौद्रिकरण योजना) Gold Monetisation Scheme</u>

- भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने स्वर्ण मौद्रीकरण योजना लागू करने के लिए 22 अक्टूबर, 2015 को निर्देश जारी किया गया ।
- RBI के निर्देश के तहत इस योजना के अन्तर्गत डिपॉजिट की कोई अधिकतम सीमा नहीं होगी ।
- इसके साथ ही इस योजना के तहत कम - से - कम 30 ग्राम खरा सोना जमा कराना जरूरी होगा ।
- RBI के अनुसार यह योजना गोल्ड डिपॉजिट की पुरानी स्कीमों का स्थान लेगी । इनके साथ ही अब शुद्धता की परख के बाद ही गोल्ड डिपॉजिट किया जा सकेगा ।
- स्वर्ण मौद्रीकरण योजना में छोटी अवधि में 1-3 वर्ष के लिए गोल्ड डिपॉजिट किया जाएगा , वहीं माध्यम अवधि में 5-7 वर्ष के लिए गोल्ड डिपॉजिट किया जाएगा । इसके

- पथरीले मरुस्थल को अल्जीरिया में रेग (Reg) तथा लीबिया एवं मिस्र में सेरिर (Serir) कहा जाता है।
- चट्टानी मरुस्थल को सहारा क्षेत्र में हम्मादा (Hammada) कहा जाता है।
- पर्वत मरुस्थल को बालसन मरुस्थल (Balson) कहा जाता है।

विश्व के प्रमुख मरुस्थल

क्र. सं.	नाम	क्षेत्रफल (वर्ग किमी लगभग)	स्थिति
1.	सहारा मरुस्थल	84,00,000	अल्जीरिया, चाड, लीबिया, माली, मारि तानिया, नाइजर, सूडान, ट्यूनीशिया, मिस्र, मोरक्को, (यह लीबिया मरुस्थल तथा नूबियन मरुस्थल को स्पर्श करता है।
2.	ऑस्ट्रेलिया मरुस्थल	15,50,000	ऑस्ट्रेलिया (यह ग्रेट सैंड्री, ग्रेट विक्टोरिया, सिंपसन गिब्सन एवं स्टुअर्ट मरुस्थल से सलंगन है।
3.	अरब मरुस्थल	13,00,000	दक्षिणी अरब, सऊदी अरब, यमन (इसमें अरब -अल -खाली, सीरिया तथा नाफूद मरुस्थल सम्मिलित हैं)
4	गोबी मरुस्थल	10,40,000	मंगोलिया एवं आंतरिक मंगोलिया (चीन)
5.	कालाहारी मरुस्थल	5,20,000	बोत्सवाना (अफ्रीका मध्य)
6.	तकला माकन मरुस्थल	3,20,000	सिकियांग प्रांत (चीन)
7.	सोनोरान मरुस्थल	3,10,000	एरीजोना एवं कैलीफोर्निया (संयुक्त राज्य अमेरिका तथा मेक्सिको)
8.	नामिब मरुस्थल	3,10,000	नामीबिया(दक्षिण-पश्चिमी अफ्रीका)
9.	काराकुम मरुस्थल	2,70,000	तुर्कमेनिया
10.	थार मरुस्थल	2,60,000	उत्तर-पश्चिमी भारत एवं पाकिस्तान
11	सोमाली मरुस्थल	2,60,000	सोमालिया (अफ्रीका)
12.	अटाकामा मरुस्थल	1,80,000	उत्तरी चिली (दक्षिण अमेरिका)
13.	काइजिल कुम मरुस्थल	1,80,000	उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान
14.	दस्त-ए-लुत मरुस्थल	52,000	पूर्वी ईरान
15.	मोजेव मरुस्थल	35,000	दक्षिणी कैलीफोर्निया (संयुक्त राज्य अमेरिका)
16.	द सिर्तोडे सेचुरा मरुस्थल	26,000	उत्तरी पश्चिमी पेरू (दक्षिणी अमेरिका)

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 2

प्रमुख नदियाँ एवं झीलें

नदियाँ -

- जिस स्थान पर नदी जन्म लेती है, उसे नदी का उद्गम स्थान कहा जाता है।
- जिस स्थान पर नदी सागर या किसी बड़ी झील में जाकर गिरती है, उसे नदी का मुख या मुहाना कहते हैं।
- जिस मार्ग से नदी की धारा गुजरती है, उसे नदी घाटी कहा जाता है।
- नदी घाटी के विकास में जब सहायक नदियाँ मुख्य नदी से आकर मिलती है तो अपवाह बेसिन (Drainage System) का निर्माण होता है।
- दो अपवाह बेसिनों के बीच के उच्च भाग को जल विभाजक (Watershed or Water Divider) कहते हैं।
- भारत की पश्चिमी घाट की पर्वत श्रेणी जल-विभाजक का काम करती है ।
  - क्योंकि इसके पूर्व में बहने वाली नदियाँ बंगाल की खाड़ी में गिरती हैं, जबकि पश्चिम में बहने वाली नदियाँ अरब सागर में गिरती हैं।
- वह क्षेत्र, जिसमें से होकर नदी बहती है और जल ग्रहण करती है, नदी का अपवाह क्षेत्र (Catchment Area) कहलाता है।
- प्रारंभिक भौतिक ढ़ाल पर बहने वाली नदी को अनुवर्ती नदी (Conseqment Stream) कहते हैं।
- अनुवर्ती नदी में मिलने वाली सहायक नदी को परवर्ती नदी कहते हैं।
- ऑक्सीजन द्वारा शैलों पर होने वाले प्रभाव को ऑक्सीकरण कहते हैं।
- जब जल में घुला हुआ कार्बन चट्टानों पर प्रभाव डालता है तो उसे कार्बोनीकरण कहा जाता है।
- जब हाइड्रोजन जल में मिलकर चट्टानों का अपक्षय करती है तो इसे जलयोजन (Hydration) कहते हैं।
- भारत में सिन्धु नदी द्वारा सिन्धु गार्ज, सतलज नदी द्वारा शिपकी-ला गार्ज तथा ब्रह्मपुत्र नदी द्वारा कोरबा गार्ज का निर्माण हुआ है।
- सं. रा. अमेरिका में कोलोरेडो नदी के शुष्क पठार पर कोलोरेडो नदी द्वारा निर्मित कोलोरेडो कैनियन विश्व में सबसे अधिक प्रसिद्ध कैनियन है।
- भेड़ा गार्ज (भेड़ा घाट, जबलपुर) भारत का सबसे बड़ा संगमरमर का गार्ज है।
- भारत में कर्नाटक राज्य में शरावती नदी पर स्थित जोग या गरसोप्पा जल प्रपात 260 मीटर की ऊँचाई से गिरता है।
- हुंडरू जलप्रपात स्वर्णरिखा नदी पर स्थित है।
- कपिलधारा जलप्रपात मध्य प्रदेश के अनुपुर जिले में नर्मदा नदी पर स्थित है। शिवसमुद्रम जलप्रपात कर्नाटक के माण्ड्या जिले में कावेरी नदी पर अवस्थित है।

विश्व की प्रमुख झीलें नदियाँ

नाम	उद्गम स्थान	गिरने का स्थान	लम्बाई (किमी)
1. नील	विक्टोरिया झील (बुरुंडी)	भूमध्य सागर	6,690
2. अमेजन	लैगो विलफेरो	अटलांटिक महासागर	6,296
3. मिसीसिपी-मिसौरी	रेड रॉक स्रोत (अमेरिका)	मैक्सिको की खाड़ी	6,240
4. यांग्सी	तिब्बत का पठार	चीन सागर	5,797
5. ओबे	अल्टाई पर्वत	ओब की खाड़ी	5,567
6. ह्वांगहो	क्युनलुन पर्वत	चिहिल की खाड़ी	4,667
7. येनिसी	रान्नु-ओला पर्वत	आर्कटिक महासागर	4,506
8. काँगो	लूआलया व लआपूला के संगम	अटलांटिक महासागर	4,371
9. आमूर	शिल्का रूस आरगून के संगम	टार्टर स्ट्रेट	4,352
10. लीना	बेकाल पर्वत (रूस)	आर्कटिक महासागर	4,268
11. मेकेंजी	फिनले नदी के मुहाने से	ब्यूफोर्ट सागर	4,241

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से विभिन्न परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम देखने के लिए क्लिक करें - (Proof Video Link)

RAS PRE. 2021 - https://shorturl.at/qBJ18 (74 प्रश्न , 150 में से)

RAS Pre 2023 - https://shorturl.at/tGHRT (96 प्रश्न , 150 में से)

Rajasthan CET Gradu. Level - https://youtu.be/gPqDNlc6URO

Rajasthan CET 12th Level - https://youtu.be/oCa-CoTFu4A

RPSC EO / RO - https://youtu.be/b9PKjl4nSxE

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=2s

PTI 3rd grade - https://www.youtube.com/watch?v=iA_MemKKgEk&t=5s

SSC GD - 2021 - https://youtu.be/2gzzfJyt6vI

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्नों की संख्या
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 प्रश्न आये
RAS Mains 2021	October 2021	52% प्रश्न आये
RAS Pre. 2023	01 अक्तूबर 2023	96 प्रश्न (150 मेंसे)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)

whatsapp - https://wa.link/bc7sin 1 web.- https://bit.ly/ras-pre-notes

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO FREE SAMPLE

SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
RPSC EO/RO	14 मई (1st Shift)	95 (120 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)
Raj. CET Graduation level	07 January 2023 (1st शिफ्ट)	96 (150 में से)
Raj. CET 12th level	04 February 2023 (1st शिफ्ट)	98 (150 में से)

& Many More Exams like UPSC, SSC, Bank Etc.

whatsapp - https://wa.link/bc7sin 2 web.- https://bit.ly/ras-pre-notes

Our Selected Students

Approx. 137+ students selected in different exams. Some of them are given below -

Photo	Name	Exam	Roll no.	City
	Mohan Sharma S/O Kallu Ram	Railway Group - d	114195120370022	PratapNagar Jaipur
	Mahaveer singh	Reet Level- 1	1233893	Sardarpura Jodhpur
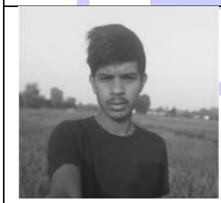	**Sonu Kumar Prajapati S/O Hammer shing prajapati**	SSC CHSL tier-1	2006018079	Teh.- Biramganj, Dis.- Raisen, MP
N.A	**Mahender Singh**	EO RO (81 Marks)	N.A.	teh nohar , dist Hanumangarh
	Lal singh	EO RO (88 Marks)	13373780	Hanumangarh
N.A	**Mangilal Siyag**	SSC MTS	N.A.	ramsar, bikaner

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

	MONU S/O KAMTA PRASAD	SSC MTS	3009078841	kaushambi (UP)
	Mukesh ji	RAS Pre	1562775	newai tonk
	Govind Singh S/O Sajjan Singh	RAS	1698443	UDAIPUR
	Govinda Jangir	RAS	1231450	Hanumangarh
N.A	**Rohit sharma s/o shree Radhe Shyam sharma**	RAS	N.A.	Churu
	DEEPAK SINGH	RAS	N.A.	Sirsi Road , Panchyawala
N.A	**LUCKY SALIWAL s/o GOPALLAL SALIWAL**	RAS	N.A.	AKLERA , JHALAWAR
N.A	**Ramchandra Pediwal**	RAS	N.A.	diegana , Nagaur

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

	Monika jangir	RAS	N.A.	jhunjhunu
	Mahaveer	RAS	1616428	village-gudaram singh, teshil-sojat
N.A	**OM PARKSH**	RAS	N.A.	Teshil-mundwa Dis- Nagaur
N.A	**Sikha Yadav**	High court LDC	N.A.	Dis- Bundi
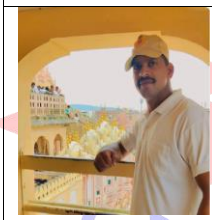	**Bhanu Pratap Patel s/o bansi lal patel**	Rac batalian	729141135	Dis.-Bhilwara
N.A	**mukesh kumar bairwa s/o ram avtar**	3rd grade reet level 1	1266657	JHUNJHUNU
N.A	**Rinku**	EO/RO (105 Marks)	N.A.	District: Baran
N.A.	**Rupnarayan Gurjar**	EO/RO (103 Marks)	N.A.	sojat road pali
	Govind	SSB	4612039613	jhalawad

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

	Jagdish Jogi	EO/RO (84 Marks)	N.A.	tehsil bhinmal, jhalore.
	Vidhya dadhich	RAS Pre.	1158256	kota

And many others……

FREE SAMPLE

नोट्स खरीदने के लिए इन लिंक पर क्लिक करें

Whatsapp करें – https://wa.link/bc7sin

Online order करें – https://bit.ly/ras-pre-notes

Call करें - 9887809083